Website : www.mantrabharat.com
जुनून है सच लिखने का
E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 244
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
बुधवार, 10 सितम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 गणेश चतुर्थी के दौरान एकत्रित 63.695 टन...
4 नेपाली संसद के सामने सरकार बनाम जेन...
7 जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 28 नवंबर से ...

संक्षिप्त न्यूज

सीट बंटवारे से पहले नीतीश का बड़ा दांव, जेडी(यू) ने राजपुर से घोषित किया अपना पहला उम्मीदवार

पटना। आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए एनडीए सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे की बातचीत से पहले जेडी(यू) ने अपनी दावेदारी पेश कर दी है। पार्टी प्रमुख और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजपुर सीट के लिए एकतरफा उम्मीदवार की घोषणा कर दी है। कुछ दिन पहले ही पार्टी ने कहा था कि वह भाजपा से कम से कम एक सीट ज़्यादा पर

चुनाव लड़ना चाहती है। बक्सर में एक पार्टी बैठक में, मंच पर वरिष्ठ भाजपा नेता और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ मौजूद नीतीश ने पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला को राजपुर से जेडी(यू) का उम्मीदवार घोषित किया। राजपुर एक अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र है।

यह घोषणा भाजपा, जदयू, लोजपा (रालोद), हम और रालोद सहित एनडीए सहयोगियों के बीच औपचारिक सीट बंटवारे से पहले हुई। नीतीश ने बक्सर जिले में एक 'कार्यकर्ता संवाद' के दौरान यह घोषणा की। निराला के नाम की घोषणा होते ही सभा स्थल 'निराला ज़िंदाबाद' और 'हमारा नेता कैसा हो, निराला जैसा हो' जैसे नारों से गूंज उठा। निराला को मंच पर बुलाकर, नीतीश ने कार्यकर्ताओं से चुनाव में उनका समर्थन करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह एक अच्छे इंसान हैं और पहले मेरे मंत्रिमंडल में परिवहन मंत्री रह चुके हैं।

सीपी राधाकृष्णन बने देश के नए उपराष्ट्रपति

विपक्ष के सुदर्शन रेड्डी को दी मात

नई दिल्ली। देश के नए उपराष्ट्रपति होंगे सीपी राधाकृष्णन होंगे। उन्होंने उपराष्ट्रपति चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंदी बी सुदर्शन रेड्डी को हराया है। सीपी राधाकृष्णन को 452 वोट हासिल हुए जबकि बी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। भारत के उपराष्ट्रपति के महत्वपूर्ण पद पर चुनाव इसलिए हुआ क्योंकि पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया था। सत्तारूढ़ एनडीए ने सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया था जबकि विपक्ष ने सुदर्शन रेड्डी पर भरोसा जताया था।

मतदान समाप्त होने के बाद आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 781 में से 12 सांसदों ने मतदान नहीं किया। मतदान करने वाले की संख्या 767 रही। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न दलों के सांसदों ने देश के नए उप राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मंगलवार को मतदान किया। लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य इस चुनाव में हिस्सा लेते हैं। मतदान शुरू होने पर प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले मतदान किया। देश के 17वें उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए, निर्वाचक मंडल में राज्यसभा के 233 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में पांच सीटें

रिक्त हैं), तथा 12 मनोनीत सदस्य और लोकसभा के 543 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में एक सीट रिक्त है) शामिल हैं। निर्वाचक मंडल में कुल 788 सदस्य (वर्तमान में 781) हैं। इस बार दोनों उम्मीदवार दक्षिण भारत से हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से जबकि रेड्डी तेलंगाना से हैं।

संसद के हालिया मानसून सत्र के दौरान जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उप राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था, हालांकि उनका कार्यकाल दो साल बचा हुआ था। उनके इस्तीफे के कारण यह चुनाव हो रहा है। विभिन्न दलों द्वारा दिए गए समर्थन को आधार बनाकर आंकड़ों के लिहाज से देखें तो राजग उम्मीदवार का पलड़ा भारी है। हालांकि विपक्ष के उम्मीदवार रेड्डी ने बार-बार यह कहकर अपनी दावेदारी को मजबूत करने का प्रयास किया कि लड़ाई वैचारिक है तथा यह मतदान सिर्फ उप राष्ट्रपति चुनने के लिए नहीं है, बल्कि भारत की भावना के लिए है।

चुनाव से एक दिन पहले सोमवार को विपक्ष के सांसदों ने एकजुटता प्रकट करते हुए बैठक की थी और 'मॉक' (प्रतीकात्मक) मतदान में हिस्सा लिया था ताकि मंगलवार को मतदान के बाद उनका एक-एक वोट वैध करार हो। विपक्षी सांसदों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि उनका वोट बर्बाद न हो, क्योंकि पिछली बार कुछ वोट अवैध घोषित कर दिए गए थे। इस बीच, राजग ने भी सोमवार को चुनाव प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए अपने सांसदों की बैठक की थी। सदस्यों ने 'मॉक' मतदान में भी भाग लिया था। मतदान से एक दिन पहले ही, ओडिशा की प्रमुख विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) ने फैसला किया कि उसके सांसद उप राष्ट्रपति चुनाव में मतदान नहीं करेंगे।

पंजाब में बाढ़ पीड़ितों का दर्द जानने पहुंचे पीएम मोदी

1600 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता का ऐलान

चड़ीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के लिए 1600 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की, जो राज्य के खजाने में पहले से मौजूद 12,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त है। एसडीआरएफ और पीएम किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी। प्रधानमंत्री ने पूरे क्षेत्र और उसके लोगों की मदद के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। इसमें पीएम आवास योजना के तहत घरों का पुनर्निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्गों का जीर्णोद्धार, स्कूलों का पुनर्निर्माण, पीएमएनआरएफ के माध्यम से राहत प्रदान करना और पशुओं के लिए मिनी किट वितरित करना जैसे उपाय शामिल होंगे।

पीएमओ ने बताया कि कृषि समुदाय को सहायता प्रदान करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता को समझते हुए, विशेष रूप से उन किसानों को अतिरिक्त सहायता प्रदान की जाएगी जिनके पास वर्तमान में बिजली कनेक्शन नहीं हैं। जिन बोरों में गाद भर गई है या जो बह गए हैं, उनके नवीनीकरण के लिए राज्य सरकार के विशिष्ट प्रस्ताव के अनुसार, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत परियोजना मोड पर सहायता प्रदान की जाएगी। डीज़ल से चलने वाले बोर पंपों के लिए, सौर पैनलों के लिए ई- के साथ अभिसरण और प्रति बूंद अधिक फसल दिशानिर्देशों के तहत सूक्ष्म सिंचाई के

लिए सहायता प्रदान की जाएगी।

इसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण के अंतर्गत, पंजाब सरकार द्वारा प्रस्तुत 'विशेष परियोजना' के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हुए पात्र परिवारों को घरों के पुनर्निर्माण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुए सरकारी स्कूलों को समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

पीएम बोले- भारत आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करे, यरुशलम हमले के बाद इजरायल की राजधानी अगले आदेश तक बंद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इज़राइल में नागरिकों पर हुए जघन्य आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा करता है। यरुशलम में निर्दोष नागरिकों पर हुए जघन्य आतंकवादी हमले

की कड़ी निंदा करते हैं। हम पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, भारत आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा करता है और आतंकवाद के प्रति अपनी ज़ीरो टॉलरेंस की नीति पर अडिग है।

उत्तरी यरुशलम के एक व्यस्त चौराहे पर बंदूकधारियों द्वारा एक बस पर की गई गोलीबारी में कम से कम छह लोग मारे गए और 12 अन्य घायल हो गए। गोलीबारी यरुशलम के उत्तरी प्रवेश द्वार पर एक प्रमुख चौराहे पर हुई, जो पूर्वी यरुशलम में स्थित यहूदी बस्तियों की ओर जाने वाली सड़क पर है।

वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान में जुटी कांग्रेस, चुनाव आयोग और बीजेपी पर बरसे सचिन पायलट

नई दिल्ली।कांग्रेस नेता और छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट ने मंगलवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ राज्य स्तरीय वोट चोरी अभियान का नेतृत्व किया और मांग की कि कथित चुनावी गड़बड़ियों के लिए ज़िम्मेदार लोग तुरंत गद्दी छोड़ दें। पायलट ने पूरे छत्तीसगढ़ में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' अभियान को तेज़ करने की घोषणा की। बिलासपुर में बोलते हुए, पायलट ने कहा, 'हम पूरे राज्य में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' अभियान को आगे बढ़ाएँगे। हम लोगों में जागरूकता फैलाएँगे। यह अभियान छत्तीसगढ़ में कई दिनों तक चलेगा और हम सरकार को अपनी आवाज़ सुनने के लिए मजबूर करेंगे। बिहार में कांग्रेस पार्टी

ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में 16 दिनों की यात्रा का नेतृत्व किया, जिसका उद्देश्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा कथित 'वोट चोरी' और भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं को उजागर करना था। यह यात्रा सोमवार को पटना में संपन्न हुई। यह अभियान 17 अगस्त को शुरू हुआ, जब राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने सासाराम से एक साथ यात्रा का संचालन किया। वहाँ से, यह रैली 25 जिलों से होते हुए औरंगाबाद, गयाजी, सीवान और अन्य जिलों तक पहुँची। समापन के दिन, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता यूसुफ पठान और ललितेश पति त्रिपाठी, शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत भी पटना में राहुल गांधी के नेतृत्व वाली मतदाता अधिकार यात्रा में शामिल हुए। कई अन्य भारतीय ब्लॉक नेताओं ने भी विभिन्न स्थानों पर भाग लिया। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, भाकपा (माले) महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन रैली में शामिल हुए। कर्नाटक के सिद्धारमैया, हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सुखू और तेलंगाना के रेवंत रेड्डी सहित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने यात्रा में भाग लिया।

मांड्या हिंसा के बाद कर्नाटक में सियासी संग्राम! सिद्धारमैया ने RSS-BJP पर फोड़ा ठीकरा

बैंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को आरएसएस और भाजपा पर राज्य में शांति भंग करने का आरोप लगाया। वह भाजपा प्रतिनिधिमंडल के मांड्या जिले के मद्दुर के प्रस्तावित दौरे पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जहाँ गणपति जुलूस के दौरान पथराव की घटना के बाद तनाव बढ़ गया था। सिद्धारमैया ने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा का इरादा और काम शांति भंग करना है। इससे पहले, उन्होंने चामुंडी बेट्टा चलो रैली का आयोजन किया था। विभिन्न स्थानों से आरएसएस के सदस्य और अन्य लोग मैसूर आए थे... वे सभी इकट्ठा हुए और शांति भंग करने का काम किया।

सिद्धारमैया ने कहा कि अब मांड्या के मद्दुर में हिंसा हुई है... भाजपा के कुछ कहने से पहले ही, हमने 21 लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। चाहे वह मुस्लिम हो, ईसाई हो या कोई और, हम कानून के अनुसार कार्रवाई करेंगे। कर्नाटक में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर भाजपा प्रतिनिधिमंडल द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से की गई शिकायत के बारे में पूछे जाने पर, मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार की ज़िम्मेदारी है। जब दिल्ली में किसानों का विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ, तो क्या तब कानून-व्यवस्था नहीं बिगड़ी थी? मणिपुर में कानून-व्यवस्था का क्या हुआ? इस बीच, सोमवार शाम को पथराव की घटना के विरोध में हुए विरोध प्रदर्शन के बाद मंगलवार सुबह कर्नाटक के मद्दुर कस्बे में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। निषेधाज्ञा लागू होने के बाद कल रात से दुकानें नहीं खुलने से बाज़ार वीरान पड़े हैं। इस बीच, इलाके के हिंदू धार्मिक संगठन इस मुद्दे पर एक बैठक कर रहे हैं। पथराव की घटना और उसके बाद भड़के विरोध प्रदर्शन के बाद कुल 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले सोमवार को पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया था।

इससे पहले सोमवार को, हिंदू समर्थक संगठनों ने मांड्या जिले के मद्दुर कस्बे में गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान पथराव की कथित घटना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। कथित तौर पर, मामूली झड़प तब हुई जब गणपति जुलूस एक मस्जिद के पास से गुजरा। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के अनुसार, भीड़ को इलाके में ज्यादा देर तक न रुकने के लिए कहा गया था। इससे पहले दिन में, केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर हिंदुओं का अपमान करने और तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया।

आतिशी की सीएम रेखा गुप्ता से अपील, बाढ़ प्रभावित लोगों को दिया जाना चाहिए मुआवजा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता और दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से राष्ट्रीय राजधानी में बाढ़ प्रभावित प्रत्येक परिवार के एक वयस्क सदस्य को 18,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। आतिशी ने किसानों के लिए भी मुआवजे की मांग की और कहा कि उन्हें फसल नुकसान के लिए 20,000 रुपये प्रति एकड़ की दर से राहत दी जानी चाहिए। आतिशी ने कहा कि दिल्ली के सभी बाढ़ प्रभावित परिवारों की ओर से, मैं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से अपील करती हूँ कि वे प्रत्येक प्रभावित परिवार के एक वयस्क सदस्य को 18,000 रुपये की आर्थिक सहायता और संपत्ति के नुकसान का मुआवजा प्रदान करें। सभी बाढ़ प्रभावित छात्रों को किताबें और स्टेशनरी दी जानी चाहिए। दिल्ली में प्रभावित किसानों को 20,000 रुपये प्रति एकड़ की दर से मुआवजा दिया जाना चाहिए। प्रभावित परिवारों के लिए बाढ़ राहत स्थलों पर शिविर लगाए जाने चाहिए ताकि वे बाढ़ में खोए किसी भी मूल आधिकारिक दस्तावेज़ की प्रतियां प्राप्त कर सकें।

नेपाल में हिंसा के बीच ममता का सीमावर्ती जिलों को निर्देश: शांति रखें, दखल न दें

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को नेपाल सीमा से सटे ज़िलों से शांति बनाए रखने और पड़ोसी देश में जेनरेशन" के विरोध प्रदर्शनों में हस्तक्षेप न करने का आग्रह किया। मीडिया से बात करते हुए, मुख्यमंत्री बनर्जी ने सीमावर्ती ज़िलों से आग्रह करते हुए कहा कि यह उनका मामला नहीं है और इस पर निर्णय लेने का अधिकार केवल नेपाल को है। उन्होंने कहा कि (नेपाल के साथ) सीमा से सटे हमारे ज़िलों से मेरा अनुरोध है कि कृपया शांति बनाए रखें और सुनिश्चित करें कि किसी को कोई परेशानी न हो, क्योंकि यह हमारा मामला नहीं है। नेपाल को अपने आंतरिक मामले पर निर्णय लेने दें, हालाँकि हम उनसे प्यार करते हैं। हमें इसमें हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि नेपाल मेरा देश नहीं है; यह एक विदेशी देश है, इसलिए मैं इस पर टिप्पणी नहीं कर सकती। भारत सरकार इस पर टिप्पणी करेगी। लेकिन यह हमारा पड़ोसी देश है, और हम नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान और सभी सीमावर्ती देशों से प्यार करते हैं। हालाँकि, मौजूदा हालात को देखते हुए, अगर भारत सरकार हमें कुछ भी बताती है, तो हम उसके अनुसार प्रतिक्रिया दे सकते हैं। अन्यथा, इस मामले को भारत सरकार को देखना होगा।

यह नेपाल में प्रधानमंत्री के.पी. ओली के इस्तीफे के बाद बढ़ती अशांति के मद्देनजर आया है, जिसके चलते देशभर में दूसरे दिन भी हिंसक विरोध प्रदर्शन जारी है। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के इस्तीफे को आधिकारिक रूप से स्वीकार कर लिया है। यह घोषणा मंगलवार दोपहर को ओली ने की थी। द हिमालयन टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, यह इस्तीफा जेनरेशन जेड के युवाओं द्वारा किए जा रहे अभूतपूर्व विरोध प्रदर्शनों के बीच आया है। ये युवा भ्रष्टाचार, सरकारी प्रतिबंधों और कथित पुलिस कदाचार के लिए जवाबदेही की मांग कर रहे हैं।

पिछले दो दिनों में, ये प्रदर्शन तेजी से बढ़े हैं, जिसके परिणामस्वरूप संघीय संसद और काठमांडू के अन्य हिस्सों में हुई झड़पों में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई और 500 से अधिक लोग घायल हो गए। सरकार ने हिंसक झड़पों के बाद कल देर रात प्रतिबंध हटा लिया, लेकिन कुछ ही घंटों बाद, प्रदर्शनकारी काठमांडू में इकट्ठा हो गए और सरकारी भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए अपना विरोध फिर से शुरू कर दिया।

सुकांत मजूमदार ने उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर विपक्ष पर कसा तंज, कहा- इस बार भी हम खुश होंगे

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए की जीत का भरोसा जताते हुए केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने मंगलवार को विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि हारने के बाद भी खुश रहना उनकी अनोखी विशेषता है। मजूमदार ने एएनआई से कहा कि विपक्ष हमेशा दावे करता रहता है; यह कोई नई बात नहीं है। हमारे विपक्ष की एक अनोखी विशेषता है कि हारने के बाद भी वे जश्न मनाते हैं... इस बार भी हम जीतेंगे और वे खुश होंगे। 15वें उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान मंगलवार सुबह शुरू हो गया।

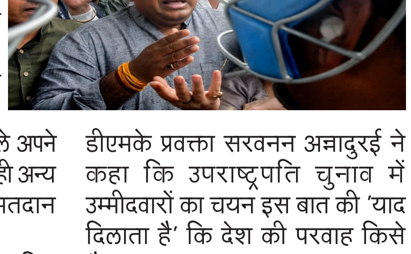

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले अपने मताधिकार का प्रयोग किया, साथ ही अन्य प्रमुख मंत्रियों और सांसदों ने भी मतदान किया।

15वें उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए मतगणना जारी है। एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन का मुकाबला संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी से है। यह चुनाव जगदीप धनखड़ द्वारा 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के 50 दिन बाद हो रहा है। इस बीच, विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को समर्थन देते हुए, डीएमके प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई ने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवारों का चयन इस बात की 'याद दिलाता है' कि देश की परवाह किसे है।

उपराष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवारों का चयन इस बात की याद दिलाता है कि देश की परवाह किसे है।

इसरो प्रमुख बोले- देश की सुरक्षा के लिए सैटेलाइट्स अहम, ऑपरेशन सिंदूर में ऐसे निभाई भूमिका

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख वी. नारायणन ने मंगलवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सभी सैटेलाइट्स ने बिना किसी रुकावट के लगातार काम किया और सेना को जरूरी मदद पहुंचाई।

'सैटेलाइट्स 24 घंटे काम और हर जरूरत को कर रहे थे पूरा'

उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे सभी सैटेलाइट्स 24 घंटे बेहतरीन तरीके से काम कर रहे थे और हर जरूरत को पूरा कर रहे थे।' नारायणन ने बताया कि फिलहाल भारत के पास 58 सक्रिय सैटेलाइट्स कक्षा (ऑर्बिट) में काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लक्ष्य तय किया है कि अगले तीन साल में यह संख्या तीन गुना हो जाएगी।

आतंक के खिलाफ भारत का ऑपरेशन सिंदूर

ऑपरेशन सिंदूर 7 मई 2025 को शुरू किया गया था। यह ऑपरेशन पहलगाम आतंकी हमले के बाद शुरू हुआ, जिसमें 26 निर्दोष नागरिकों की मौत हुई थी।

यह सेना का त्रि-सेवा (थलसेना, वायुसेना और नौसेना) संयुक्त अभियान था, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान के भीतर आतंकवादी ढांचे को ध्वस्त करना था।

'देश की सुरक्षा के लिए सैटेलाइट्स का होना बहुत जरूरी'

सरकार की तरफ से 14 मई को जारी एक आधिकारिक बयान में भी इसरो की महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र किया गया था। इसमें कहा गया कि कम से कम 10 सैटेलाइट्स लगातार निगरानी के लिए काम कर रहे थे। इसरो प्रमुख ने कहा, 'देश की सुरक्षा के लिए सैटेलाइट्स का होना बहुत जरूरी है।

समुद्री तट और उत्तरी सीमाओं की निगरानी जारी- नारायणन

उन्होंने आगे कहा- हमें अपने 7000 किलोमीटर लंबे समुद्री तट और उत्तरी सीमाओं की लगातार निगरानी करनी होती है। सैटेलाइट और ड्रोन तकनीक के बिना यह संभव नहीं है।' वी नारायणन के मुताबिक, इन सैटेलाइट्स की मदद से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित की गई।

दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में कहर

2 अग्निवीरों समेत 3 जवान शहीद, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

लेह। लद्दाख के सियाचिन बेस कैंप में मंगलवार को हुए भीषण हिमस्खलन में दो अग्निवीरों समेत तीन सैन्यकर्मी शहीद हो गए। सूत्रों ने बताया कि 'दुनिया के सबसे ऊँचे युद्धक्षेत्र' के रूप में जाने जाने वाले सियाचिन में बचाव अभियान जारी है। ये सैनिक महार रेजिमेंट के थे और गुजरात, उत्तर प्रदेश और झारखंड के रहने वाले थे। पाँच घंटे तक फंसे रहने के बाद उनकी मौत हो गई। एक सेना कैप्टन को बचा लिया गया। नियंत्रण रेखा के उत्तरी सिरे पर लगभग 20,000 फीट की ऊँचाई पर स्थित सियाचिन ग्लेशियर में हिमस्खलन आम बात है। तापमान नियमित रूप से -60 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है।

2021 में, सियाचिन में सब-सेक्टर हनीफ में हिमस्खलन के बाद दो सैनिक मारे गए थे। अन्य सैनिकों और कुलियों को छह घंटे के अभियान के बाद बचा लिया गया था। 2019 में एक और भीषण हिमस्खलन में चार सैनिक और दो पोर्टर मारे गए। यह हिमस्खलन 18,000 फीट की ऊँचाई पर एक चौकी के पास गश्त कर रहे आठ सैनिकों के एक समूह पर हुआ। हिमस्खलन से सबसे ज़्यादा मौतें 2022 में हुईं, जब अरुणाचल प्रदेश के कामेंग सेक्टर में सात सैनिक शहीद हो गए। हिमस्खलन इतना भीषण था कि लापता होने के तीन दिन बाद सेना के जवानों के शव मिले। 2022 में, सेना ने पहली बार एक स्वीडिश फर्म से 20 हिमस्खलन बचाव प्रणालियां खरीदीं - सियाचिन ग्लेशियर और कश्मीर और पूर्वोत्तर के अन्य ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमस्खलन और भूस्खलन में बड़ी संख्या में सैनिकों के मारे जाने के बीच यह लंबे समय से लंबित आवश्यकता थी।

कांग्रेस नेताओं ने सीएम से की मुलाकात, विधानसभा-परिषद में खाली एलओपी के पदों को जल्द भरने की मांग

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र कांग्रेस के नेताओं ने मंगलवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर से मुलाकात की। उन्होंने राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों (विधानसभा और विधान परिषद) में विपक्ष के नेता (एलओपी) के खाली पदों को जल्द भरने की मांग की।
कांग्रेस विधान परिषद में विपक्ष के नेता का पद चाहती है, क्योंकि शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) के नेता अंबादास दानवे का कार्यकाल पिछले महीने खत्म हो गया था। वहीं, विधानसभा में कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव गुट) को एलओपी का पद दिए जाने का समर्थन कर रही है। यह पद भी नवंबर 2024 के विधानसभा चुनावों के बाद से खाली पड़ा है, जब कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार का कार्यकाल खत्म हो गया था।
कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार, कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य बालासाहेब थोराट और विधायक अमीन पटेल ने मुख्यमंत्री फडणवीस से मंत्रालय में मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने विधानभवन जाकर विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर से भी बातचीत की।
बाद में पत्रकारों से बात करते हुए

बालासाहेब थोराट ने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष के नेता का पद बहुत महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा, हमने मुख्यमंत्री से इन पदों को भरने की मांग की और मौजूदा प्रशासनिक हालात पर भी चर्चा की। विजय वडेट्टीवार ने बताया कि कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई चर्चा में मुख्यमंत्री का रुख सकारात्मक था। उन्होंने कहा, हमने कल विधान परिषद के सभापति राम शिंदे और शिवसेना (उद्धव गुट) प्रमुख उद्धव ठाकरे से भी मुलाकात की थी। यह ठीक नहीं है कि दोनों सदनों में विपक्ष का नेता न हो। हमने पत्र सौंपने और संबंधित अधिकारियों से मिलने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। विधानसभा में विपक्ष के नेता का पद दिसंबर 2024 में नई विधानसभा के गठन के बाद से अब तक खाली है, क्योंकि विपक्षी दलों की कुल संख्या 288 सदस्यीय सदन में 50 से कम रह गई थी।
शिवसेना (उद्धव गुट) के पास 20 विधायक हैं, जो विपक्षी दलों में सबसे ज्यादा हैं। इसलिए उन्होंने पहले ही विधानसभा में विपक्ष के नेता के पद पर दावा ठोक दिया है। 78 सदस्यीय विधान परिषद में कांग्रेस के पास सात सदस्य हैं, शिवसेना (उद्धव गुट) के पास छह और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के पास तीन सदस्य हैं। इसके अलावा तीन निर्दलीय सदस्य भी हैं। भाजपा के पास विधान परिषद में 22 सदस्य हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के पास सात और अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा के पास आठ सदस्य हैं। फिलहाल परिषद में 22 सीटें खाली हैं।

मालेगांव ब्लास्ट केस में पीड़ितों ने किया हाई कोर्ट का रुख, प्रज्ञा ठाकुर, कर्नल पुरोहित और अन्य को बरी करने के फैसले को दी चुनौती

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

2008 के मालेगांव विस्फोट के पीड़ितों के परिवार के सदस्यों ने विशेष एनआईए अदालत के उस फैसले को चुनौती देते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है जिसमें प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित सभी आरोपियों को बरी कर दिया गया था। 29 सितंबर, 2008 को महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव शहर में एक मस्जिद के पास हुए इस विस्फोट में छह लोगों की मौत हो गई थी और 101 अन्य घायल हो गए थे। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई 15 सितंबर, 2025 को न्यायमूर्ति ए.एस. गडकरी और न्यायमूर्ति आर.आर. भोसले की खंडपीठ के समक्ष सूचीबद्ध की है।
मृतक पीड़ितों के छह परिवार के सदस्यों द्वारा दायर अपील में दावा किया गया है कि विशेष अदालत का फैसला त्रुटिपूर्ण था और बरी करने के फैसले को पलटने की मांग की गई है। उनका तर्क है कि जाँच दोषपूर्ण थी और एनआईए द्वारा जाँच के संचालन से अभियोजन पक्ष का मामला कमजोर हुआ। विशेष अदालत का यह निष्कर्ष कि दोषसिद्धि के लिए कोई ठोस सबूत नहीं था, पीड़ितों के परिवारों द्वारा विवादित है, उनका तर्क है कि षड्यंत्र के मामले अक्सर परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर निर्भर करते हैं। परिवार के सदस्यों ने एनआईए के विशेष लोक अभियोजक के बारे में भी

चिंता जताई और आरोप लगाया कि आरोपियों के खिलाफ मामले की धीमी सुनवाई का दबाव था। अपील में आरोप लगाया गया है कि जाँच में समझौता किया गया और महत्वपूर्ण सबूतों को नज़रअंदाज़ किया गया या उनके साथ गलत व्यवहार किया गया। अपनी अपील में, छह मृतकों के परिजनों ने संहिता से अनुरोध किया है कि बरी किए गए आरोपियों सहित सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए जाएँ। इस मामले में अभियोजन पक्ष, राष्ट्रीय जाँच एजेंसी, ने अभी तक अपील दायर नहीं की है। 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले को 2011 में महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) से एनआईए को हस्तांतरित कर दिया गया था। 17 साल के लंबे इंतज़ार और सैकड़ों गवाहों की जाँच के बाद, एनआईए की विशेष अदालत ने गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम, शस्त्र अधिनियम और अन्य सभी आरोपों के तहत सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया।

घाटकोपर में रोड पर बंद बेस्ट की बस से यातायात अस्त-व्यस्त

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। घाटकोपर से शिवाजीनगर जा रही एक बेस्ट बस आज दोपहर घाटकोपर पूर्व में बालाजी होटल के पास एक संकरी गली में फंस गई। इसके कारण भारी ट्रैफिक जाम हो गया और रेलवे स्टेशन क्षेत्र से गुजरने वाला यातायात दो घंटे तक रुका रहा। हालांकि, ट्रैफिक पुलिस की उचित योजना के कारण सड़क को फिर से खोल दिया गया। हालांकि, इस बीच, यह देखा गया कि व्यस्त और व्यस्त सड़कों पर पैदल यात्रियों और वाहनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। घाटकोपर पूर्व से बेस्ट की नई वातानुकूलित (MH 01 DR 3266) बस शिवाजी नगर गोवंडी की ओर जा रही थी। हालांकि, यह अचानक रेलवे स्टेशन के पास बालाजी होटल के सामने एक बहुत ही संकरी सड़क पर फंस गई। सड़क के किनारे

एक बड़े पुराने बरगद के पेड़ और वहां यातायात नियमों के लिए पुलिस द्वारा स्थायी रूप से लगाए गए बैरिकेड के कारण यहां यातायात पूरी तरह से बंद हो गया विक्रोली यातायात शाखा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक लांडगे के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस ने तुरंत बैरिकेड हटाकर यातायात सुचारू करने के लिए एक अस्थायी लेन बना दी। हालाँकि, नागरिकों और वाहनों को लगभग 2 घंटे तक यह परेशानी झेलनी पड़ी। नागरिकों और बेस्ट चालकों ने यातायात पुलिस का आभार भी व्यक्त किया है।

नौसेना अधिकारी की राइफल और कारतूस चोरी आरोपी अभी तक नहीं मिला - मुंबई में हाई अलर्ट

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई के कोलाबा में एक अज्ञात व्यक्ति ने नौसेना कर्मी की राइफल और कारतूस चुरा लिए हैं। दो दिन बाद भी आरोपी का पता नहीं चल पाया है। नौसेना ने इस संबंध में कफ परेड पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है और मामले की गहन जांच चल रही है, परिमंडल 1 के पुलिस उपायुक्त डॉ. प्रवीण मुंडे ने बताया। इस बीच, मरीन पुलिस को इस संबंध में सतर्क कर दिया गया है और उन्हें सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं, पुलिस उपायुक्त विजयकांत सागर ने बताया। यह घटना 6 सितंबर की रात को हुई थी। उसके बाद मुंबई में अलर्ट जारी कर दिया गया है। इस पृष्ठभूमि में, समुद्र तट पर गश्त बढ़ा दी गई है। सभी पुलिस स्टेशनों में पुलिस को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। दूसरी ओर, एटीएस प्रणाली को भी सतर्क कर दिया

> **इस मामले में कफ परेड पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी को अभी गिरफ्तार नहीं किया गया है, लेकिन गहन जांच चल रही है -**
>
> **डॉ. प्रवीण मुंडे,**
> **पुलिस उपायुक्त, परिमंडल**
>
> **इस घटना के बाद सभी समुद्री थानों की पुलिस को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। इसलिए पुलिस सतर्कता के साथ समुद्री तटों पर गश्त कर रही है।...**
>
> **विजयकांत सागर,**
> **पुलिस उपायुक्त, समुद्री क्षेत्र**

गया है। कहा गया कि कफ परेड पुलिस आरोपी की तलाश में है। नौसेना की वर्दी पहने एक व्यक्ति ने नौसेना नगर इलाके में ड्यूटी पर तैनात अग्निवीर जवान को धोखा देकर उसकी राइफल और कुछ कारतूस चुरा लिए। नौसेना की वर्दी में आए उस व्यक्ति ने ड्यूटी पर तैनात अग्निवीर से कहा कि आपकी ड्यूटी खत्म हो गई है, अब आपको आराम करना चाहिए। इसलिए अग्निवीर ने उसे राइफल दे दी। दिलचस्प बात यह है कि अग्निवीर उस व्यक्ति को पहचानता भी नहीं था। लेकिन उसने सोचा कि यह नौसेना में कोई नया अधिकारी होगा। चूंकि उसने नौसेना अधिकारी की वर्दी पहनी हुई थी, इसलिए उसे कुछ शक नहीं हुआ। हालांकि, वह व्यक्ति राइफल लेकर कुछ देर बाद भाग गया। उसके बाद, अग्निवीर को एहसास हुआ कि वह व्यक्ति नौसेना अधिकारी नहीं बल्कि एक घुसपैठिया था। इसलिए, अधिकारियों को घटना के बारे में सूचित किया गया। इस घटना के कारण नौसेना, एटीएस और मुंबई पुलिस सतर्क हो गई। पुलिस और नौसेना की सुरक्षा एजेंसियों ने उस जगह पर तलाशी अभियान चलाया जहां घटना हुई थी। हालांकि, बताया जा रहा है कि अभी तक संदिग्ध का कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस और भारतीय नौसेना अभी भी मामले की जांच कर रही है। कफ परेड पुलिस स्टेशन में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उधर, नौसेना की ओर से मामले की जांच के लिए एक कमेटी गठित की गई है। इस बीच, यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि घुसपैठिया जवान तक कैसे पहुंचा और उसे नौसेना अधिकारी की वर्दी कहां से मिली। फिलहाल वहां के सभी सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जानकारी के आधार पर जांच जारी है। पुलिस कह रही है कि मुंबई में महत्वपूर्ण जगहों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

'पिता के हत्या की जांच के केस में पुलिस अपना रही 'लापरवाह' रवैया', जीशान सिद्दीकी का बड़ा आरोप

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। एनसीपी नेता जीशान सिद्दीकी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि मुंबई पुलिस उनके पिता बाबा सिद्दीकी की हत्या की जांच को लेकर लापरवाह रवैया अपना रही है। संवाददाताओं से बातचीत में जीशान सिद्दीकी ने कहा कि अगर जांच गंभीरता से की जाती, तो एक साल में पुख्ता प्रगति होनी चाहिए थी। उन्होंने डीसीपी क्राइम ब्रांच राज तिलक रोशन से मुलाकात कर जांच में तेजी लाने की मांग की।

11 महीने पहले बाबा सिद्दीकी की हत्या

बाबा सिद्दीकी, जो महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री थे, की 12 अक्तूबर 2024 को बांद्रा में जीशान सिद्दीकी के ऑफिस के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस अब तक इस मामले में कम से कम 25 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस के अनुसार, जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई ने जीशान अख्तर और शुभम लोंकर को यह सुपारी दी

थी। कुछ महीने पहले अख्तर को कनाडा में पकड़ा गया था।

पुलिस की बैठकों में लापरवाही जारी- जीशान

जीशान सिद्दीकी ने कहा कि पुलिस की बैठकों में लापरवाही, प्रक्रिया में देरी और ठोस कदम न उठाने का रवैया साफ नजर आ रहा है। उन्होंने बताया कि वे नियमित रूप से एनसीपी प्रमुख और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार से बात कर रहे हैं और उन्हें न्याय दिलाने के लिए उनका पूरा समर्थन मिला है।
अनमोल बिश्नोई के प्रत्यर्पण के लिए क्या कदम उठाए गए?
जीशान सिद्दीकी ने आगे कहा, 'हमने आरटीआई अपील दायर की थी। हमने मुंबई पुलिस से पूछा था कि उन्होंने अनमोल बिश्नोई के प्रत्यर्पण के लिए क्या कदम उठाए हैं। सबसे पहले, मैं सवाल करता हूं कि वे इस बैठक को लेकर कितने गंभीर थे। हमें दोपहर 12 बजे बैठक के लिए बुलाया गया था, लेकिन यह लगभग 1.30 बजे शुरू हुई। बैठक में खूब हंसी-मजाक और व्यंग्य हो रहा था। उन्होंने मुझसे कहा कि अगर वे मुझे अनमोल बिश्नोई के बारे में बताएंगे, तो अनमोल बिश्नोई सतर्क हो जाएंगे... एक तरह से, वे अनमोल बिश्नोई को सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं।'

मनमाड - जलगांव तीसरी लाइन परियोजना के अंतर्गत मनमाड यार्ड का आधुनिकीकरण सफलतापूर्वक पूर्ण

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दिनांक 07 सितंबर 2025 को मनमाड - जलगांव तीसरी रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत मनमाड रेलवे स्टेशन यार्ड का एक महत्त्वपूर्ण आधुनिकीकरण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। यह कार्य केवल 13 घंटों के रिकॉर्ड समय में संपन्न हुआ, जिससे रेलवे यातायात में सुविधा, लचीलापन और कार्यकुशलता को एक नई दिशा मिली है।
इस कार्य के अंतर्गत निम्नलिखित प्रमुख सुधार किए गए:
9 नए रूट्स (रूट क्रमांक 458 से 467 तक) जोड़े गए। 123 मौजूदा रूट्स का पुनर्निर्माण (रीमॉडेलिंग) किया गया दौंड - मनमाड यार्ड के बीच एक नया क्रॉसओवर जोड़ा गया। प्रत्यक्ष मालवाहन की सुविधा शुरू, जिससे यात्री ट्रेनों की भीड़ कम होगी।
यात्री ट्रेनों के संचालन में अधिक लचीलापन और समयपालन सुनिश्चित होगा।
मनमाड, मध्य रेलवे का एक प्रमुख स्टेशन है, जो मालगाड़ियों और यात्री गाड़ियों दोनों की दृष्टि से एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। इस यार्ड

के आधुनिकीकरण से मालगाड़ियों की संचालन प्रक्रिया और अधिक सुचारू रूप से रहेगी , वहीं यात्री गाड़ियों की समयपालन और विश्वसनीयता में भी उल्लेखनीय सुधार होगा।
मध्य रेलवे द्वारा की गई इस आधारभूत संरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर) की उन्नति से यात्रियों और उद्योग जगत दोनों को ही बड़ा लाभ होने की उम्मीद है।
मनमाड - जलगांव तीसरी लाइन परियोजना, मध्य रेलवे के लिए एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण परियोजना है, जिससे माल और यात्री परिवहन और अधिक कुशल, तेज़ और सुरक्षित हो सकेगा।

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर रियल्टीज का रक्तदान अभियान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

साउथ मेट्रोसिटी एसोसिएशन ऑफ रियल्टीज (स्मार्ट) ने नायर हॉस्पिटल ब्लड बैंक और सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के सहयोग से 9 सितंबर को सीएसएमटी में रक्तदान शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस पहल को गृह विज्ञान महाविद्यालय, निर्मला निकेतन के एनएसएस छात्रों का सक्रिय समर्थन प्राप्त था।
मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. स्वप्निल नीला, जनसंपर्क अधिकारी श्री माइकल मैनुअल राज और अन्य अधिकारियों के सहयोग से कुल 73 यूनिट रक्त एकत्रित कर नायर हॉस्पिटल ब्लड बैंक को सौंपा गया, जिससे शिविर का आयोजन शानदार रहा।

इस कार्यक्रम का आयोजन स्मार्ट सीएसआर टीम के सदस्य और प्रबंध समिति के सदस्य श्री ज़रीर इंजीनियर ने स्मार्ट एमसी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी से किया। स्मार्ट सदस्यों और सहयोगियों ने भी दानदाताओं और स्वयंसेवकों के रूप में योगदान दिया, जिससे एसोसिएशन की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता और मजबूत हुई।
स्मार्ट के अध्यक्ष श्री प्रकाश निचानी ने आयोजन स्थल उपलब्ध कराने के लिए मध्य रेलवे, मध्य रेलवे मजदूर संघ, नायर अस्पताल के कर्मचारियों, निर्मला निकेतन के एनएसएस छात्रों और इस अभियान में सहयोग देने के लिए आगे आए सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।
स्मार्ट 2015 से इस वार्षिक रक्तदान अभियान का आयोजन करता आ रहा है, जिसे हाल के वर्षों में वर्ष में दो बार तक बढ़ा दिया गया है। स्मार्ट रक्तदान के माध्यम से करुणा को कर्म में परिवर्तित करके सामुदायिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

विभागः मुख्य अभियंता (यांत्रिक एवं विद्युत)
सं. ई.ई.मैकेनिकल/3627/दक्षिण दिनांक 09.09.2025

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई नगर निगम के आयुक्त निम्नलिखित कार्यों के लिए पात्र बोलीदाताओं से ऑनलाइन निविदाएँ आमंत्रित करते हैं। बोली प्रारंभ तिथि एवं समय तथा बोली समाप्ति तिथि एवं समय बीएमसी की वेबसाइट पर निविदा अनुभाग एवं महाटेंडर पोर्टल के अंतर्गत विस्तृत निविदा सूचना में निर्दिष्ट है।

क्रमांक	बोली संख्या	कार्य का नाम
1.	2025_एमसीजीएम_1214068_1	नगरपालिका कार्यशाला के फाउंड्री विभाग में 2 टन क्षमता वाली इलेक्ट्रिक मोनोरेल लिफ्टिंग प्रणाली का एसआईटीसी

इच्छुक निविदाकर्ता निविदा के बारे में अधिक जानकारी के लिए बीएमसी वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in और महाटेंडर पोर्टल वेबसाइट http://mahatenders.gov.in पर जा सकते हैं।

पीआरओ/1534/विज्ञा./2025-26 | ई.ई.मैकेनिकल (दक्षिण)

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

गणेश चतुर्थी के दौरान एकत्रित 63.695 टन कचरे का उपयोग खाद उत्पादन और बगीचों के लिए किया जाएगा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

27 अगस्त को बड़े उत्साह के साथ शुरू हुआ गणेश चतुर्थी उत्सव नवी मुंबई के नागरिकों द्वारा पर्यावरण के अनुकूल तरीके से मनाया गया। आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे द्वारा 'पर्यावरण-अनुकूल और प्लास्टिक-मुक्त गणेश चतुर्थी' मनाने की अपील का नागरिकों ने बखूबी पालन किया।

इसमें, शाडू की मूर्तियाँ स्थापित करने वाले नागरिकों को 'पर्यावरण मित्र' के रूप में प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश का सम्मान करते हुए, नागरिकों ने विभिन्न क्षेत्रों में बनाए गए 143 कृत्रिम विसर्जन तालाबों में 6 फीट से कम ऊँचाई वाली भगवान गणेश की बड़ी संख्या में मूर्तियों का विसर्जन करके पर्यावरण संरक्षण में योगदान दिया।

इसी प्रकार, विसर्जन स्थल पर लाए गए निर्माल्य को मूर्ति के साथ अलग-अलग निर्माल्य कलशों में, गीले और सूखे, दोनों में रखने की अपील का भी नागरिकों ने बखूबी पालन किया।

गणेश उत्सव के चार विसर्जन दिवसों के दौरान, 22 प्राकृतिक और 143 कृत्रिम विसर्जन स्थलों पर रखे गए निर्माल्य कलशों में 63 टन 695 किलोग्राम निर्माल्य एकत्रित किया गया। इस निर्माल्य को एकत्रित करने के लिए मनपा द्वारा अलग-अलग निर्माल्य परिवहन वाहनों की व्यवस्था

की गई थी। अपर आयुक्त सुनील पवार के नेतृत्व में, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग के उपायुक्त डॉ. अजय गाडे के माध्यम से, सभी स्वच्छता अधिकारियों, स्वच्छता निरीक्षकों और सफाई कर्मचारियों ने योजनाबद्ध तरीके से इस निर्माल्य संग्रहण अभियान को क्रियान्वित किया।

गणेश उत्सव के दौरान, नवी मुंबई मनपा ने विसर्जन स्थल पर मूर्ति के साथ रखे जाने वाले 'गीले निर्माल्य', जैसे माला, फूल, दूर्वा, तुला, शमी, फलों के छिलके और टुकड़े, और 'सूखे निर्माल्य', जैसे मूर्ति के गले के हार और सजावटी सामान, रखने के लिए विभिन्न निर्माल्य कलशों की व्यवस्था की थी।

इस प्रकार गीले और सूखे निर्माल्य को अलग-अलग कंटेनरों में रखना इस अवधारणा के प्रति नागरिकों की अच्छी प्रतिक्रिया के कारण, इस वर्ष गणेश विसर्जन अवधि के दौरान, गौरी सहित सातवें दिन के विसर्जन के दौरान सबसे अधिक 24,440 टन निर्माल्य, डेढ़ दिन के विसर्जन के दिन 14,205 टन निर्माल्य और अनंतचतुर्दशी पर विसर्जन के दसवें दिन 14,070 टन निर्माल्य एकत्र किया गया। पांचवें दिन 10,980 टन निर्माल्य एकत्र किया गया। इस प्रकार, पूरे गणेशोत्सव अवधि के दौरान कुल 63,695 टन निर्माल्य एकत्र किया गया। इस निर्माल्य को अलग-अलग वाहनों द्वारा तुर्भे परियोजना स्थल पर ले जाया गया है और इस पर वैज्ञानिक उर्वरक उत्पादन प्रक्रिया की जा रही है। इससे बगीचों में फूल उगाए जाएंगे।

इसके अलावा, डॉ.की ओर से नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान रेवदंडा के अनुसार, कोपरखैरण झील, कोपरी और महापेगांव झीलों से फूलों की पंखुड़ियाँ यहाँ लाकर उनसे खाद बनाई जा रही है।

नवी मुंबई के नागरिक हमेशा से पर्यावरण-अनुकूल दृष्टिकोण अपनाने में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। इसी प्रकार, नागरिकों ने गणेशोत्सव में भी पर्यावरण-अनुकूल तरीके से भाग लिया है और एकत्रित निर्मल से खाद का उत्पादन उसी पर्यावरण-अनुकूलता का एक हिस्सा है।

बालिका सशक्तिकरण हेतु बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान

राज्य भर में व्यापक रूप से लागू किया जाना चाहिए- महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। राज्य में बालिकाओं के जन्म का स्वागत करने, शिक्षा में उनकी भागीदारी बढ़ाने और बाल विवाह को रोकने के लिए 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान चलाया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने बताया कि पिछले छह महीनों में 1,46,459 नागरिकों की भागीदारी से 873 विभिन्न गतिविधियाँ क्रियान्वित की गई हैं। उन्होंने आधुनिक तकनीक का उपयोग करके इस योजना को अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुँचाने के निर्देश दिए।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत लंबित मामलों, परिवार परामर्श केंद्र, सरकारी संस्थानों को आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति, अहिल्या भवन, चेंबूर की समीक्षा, बाल सहायता संस्था से संबंधित लंबित मामलों और राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्यों के चयन के संबंध में मंत्रालय में एक बैठक आयोजित की गई। वे इस अवसर पर बोल रही थीं। बैठक में विभाग के सचिव डॉ. अनूप कुमार यादव, आयुक्त नयना गुंडे, संयुक्त सचिव वी.आर. ठाकुर, संयुक्त आयुक्त राहुल मोरे आदि उपस्थित थे।

महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने कहा कि राज्य में बालिकाओं के जन्म का स्वागत करने और बालिकाओं के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बेटी बचाओ,

बेटी पढ़ाओ अभियान का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन किया जा रहा है। साथ ही, प्रति हजार बालिकाओं की जन्म दर के आधार पर जिलों का वर्गीकरण किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, बालिकाओं के जन्म का स्वागत, नुक्कड़ नाटक जैसी विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। तटकरे ने यह भी निर्देश दिया कि जिन जिलों में बाल विवाह की घटनाएँ अधिक हैं, वहाँ इस अभियान को बड़े पैमाने पर लागू किया जाए।

विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु नियुक्तियाँ की जाएँ। विभिन्न संस्थाओं को, जिनके माध्यम से विभाग की विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन होता है, नियमानुसार निधि उपलब्ध कराई जाए। चेंबूर में अहिल्या भवन के निर्माण के संबंध में तत्काल कार्रवाई की जाए। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्यों के चयन के संबंध में भी तत्काल कार्रवाई की जाए। वर्तमान में कार्यरत 44 परिवार परामर्श केंद्रों को वन स्टॉप सेंटर में विलय किया जाए, केंद्रों के केस वर्कर और परामर्शदाताओं को वन स्टॉप सेंटर में ही परामर्शदाता नियुक्त किया जाए। तटकरे ने यह भी कहा कि परामर्शदाताओं के लिए लंबित धनराशि तुरंत जारी की जाएगी।

सरकार 'ओबीसी' समुदाय के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है;'ओबीसी' आरक्षण कोई झटका नहीं है- मंत्री अतुल सावे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मराठा आरक्षण के संबंध में राज्य सरकार द्वारा लिया गया निर्णय साक्ष्य-आधारित है, सामान्य नहीं। केवल कुनबी होने का प्रमाण रखने वालों को ही इसका लाभ मिलेगा। इसलिए, ओबीसी आरक्षण किसी भी तरह से प्रभावित नहीं होगा। सरकार की विभिन्न योजनाओं का उद्देश्य 'ओबीसी' समुदाय को शैक्षणिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाना है। सरकार 'ओबीसी' समुदाय के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और सभी मांगों पर सकारात्मक चर्चा के बाद निर्णय लिए जाएँगे, ऐसा अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री अतुल सावे ने आश्वासन दिया।

राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ की विभिन्न मांगों को लेकर अन्य पिछड़ा वर्ग बहुजन कल्याण मंत्री अतुल सावे की अध्यक्षता में सह्याद्री अतिथि गृह में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में विधायक डॉ. परिणय फुके, सामाजिक न्याय विभाग के प्रधान सचिव डॉ. हर्षदीप कांबले, अन्य पिछड़ा वर्ग बहुजन कल्याण विभाग के सचिव ए.बी. धुलज, राष्ट्रीय महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष

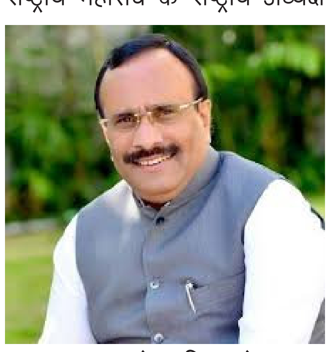

बबनराव तायवाड़े उपस्थित थे।

अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री अतुल सावे ने कहा कि मराठा आरक्षण पर सरकार का निर्णय कोई सर्वमान्य निर्णय नहीं है, बल्कि साक्ष्य-आधारित है। केवल उन्हीं को इसका लाभ मिलेगा जिनके पास कुनबी होने का प्रमाण होगा। इसलिए ओबीसी आरक्षण बरकरार रहेगा। राज्य में कितने कुनबी प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं, इसकी पूरी जानकारी सरकारी वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है। ओबीसी मंत्रिमंडल उप-समिति की बैठक बुधवार, 10 सितंबर, 2025 को होगी, जिसमें ओबीसी महासंघ की मांगों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

श्री सावे ने कहा कि 'ओबीसी' छात्रों की शैक्षणिक प्रगति के लिए 'महाज्योति' संगठन को और सशक्त बनाया जाएगा तथा इसके कार्यक्षेत्र का विस्तार किया जाएगा। विदेश में शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक 'ओबीसी' छात्रों को दी जाने वाली विदेशी छात्रवृत्ति योजना में छात्रों की संख्या बढ़ाई जाएगी। साथ ही, नए छात्रावास शुरू करने और 'ओबीसी' छात्रों को और अधिक सुविधाएँ प्रदान करने की योजना बनाई गई है। इस अवसर पर उन्होंने स्पष्ट किया कि प्राप्त माँगों को कैबिनेट बैठक में रखा जाएगा और शेष माँगों पर एक महीने के भीतर निर्णय लिया जाएगा। राज्य में 'ओबीसी' समुदाय की विभिन्न माँगों पर गहन चर्चा हुई।

गारंटीकृत मूल्य खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी और शीघ्रता से लागू करने की योजनाएँ बनाई जानी चाहिए- विपणन मंत्री जयकुमार रावल

खरीफ सीजन एमएसपी खरीद योजना समीक्षा बैठक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। किसानों द्वारा उत्पादित कृषि उपज को गारंटीकृत मूल्य मिले, यह सुनिश्चित करना सरकार की ईमानदार भूमिका है। इसके लिए, केंद्र सरकार हर साल गारंटीकृत मूल्य पर कृषि उपज खरीदती है। इस वर्ष सोयाबीन, मूंग, उड़द, मक्का, तुअर जैसी कृषि उपज गारंटीकृत मूल्य पर खरीदी जाएगी। इस खरीद प्रक्रिया में किसानों को केंद्र बिंदु माना जाना चाहिए और खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी और शीघ्रता से लागू करने की योजना बनाई जानी चाहिए, और पंजीकरण से लेकर रिफंड प्राप्त करने तक की सभी प्रक्रियाओं को नवीनतम तकनीक का उपयोग करके सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध किया जाना चाहिए ताकि इसे आसान बनाया जा सके, विपणन और प्रोटोकॉल मंत्री जयकुमार रावल ने कहा।

वे खरीफ सीजन 2025-26 के लिए गारंटीकृत मूल्य खरीद प्रक्रिया के संबंध में मंत्रालय में आयोजित एक समीक्षा बैठक में बोल रहे थे। इस अवसर पर विपणन विभाग के प्रधान सचिव प्रवीण दराडे, विपणन महासंघ के कार्यकारी निदेशक श्रीधर दुबे पाटिल, नाफेड के राज्य प्रमुख भव्य आनंद, वेयरहाउस कॉर्पोरेशन के कार्यकारी निदेशक कौस्तुभ दिवेगांवकर, नाफेड और एनसीसीएफ के अधिकारी तथा राज्य खरीद संगठन के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

विपणन मंत्री जयकुमार रावल ने कहा कि खरीफ सीजन की खरीद के लिए सभी एजेंसियां अलग-अलग योजना बनाएं। पिछले वर्ष आई कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए, इस वर्ष तकनीकी त्रुटियों से बचने के लिए विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। नवीनतम तकनीक का उपयोग करके किसानों का सटीक और शीघ्र पंजीकरण किया जाना चाहिए। किसानों को अपनी बिक्री की तारीख चुनने का विकल्प प्रदान किया जाना चाहिए। किसानों द्वारा खरीद केंद्र पर माल लाने के बाद, उनकी तुरंत गणना की जानी चाहिए और भंडारण की रसीद दी जानी चाहिए और 24 घंटे के भीतर किसानों के खातों में पैसा जमा किया जाना चाहिए। किसानों को ई-फसल निरीक्षण के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए, ई-खरीद प्रणाली का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाना चाहिए और ध्यान रखा जाना चाहिए कि किसानों को किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े। बारदाने की कमी से बचने के लिए योजना बनाई जाए और इस बात का ध्यान रखा जाए कि पूरे सीजन में यह समस्या न आए।

खरीद एजेंसियां पूरी पारदर्शिता के साथ काम करें। अगर किसी एजेंसी की कार्यप्रणाली में कोई भी संदिग्ध बात पाई जाती है, तो उसे तुरंत बर्खास्त कर काली सूची में डाल दिया जाएगा। साथ ही, इस सीजन के दौरान पूरी प्रक्रिया पर नज़र रखने के लिए उड़नदस्ते भी नियुक्त किए जाएँगे।

विपणन मंत्री श्री रावल ने यह भी कहा कि खरीद केंद्र पर किसानों को किसी भी तरह की असुविधा न हो, इसका ध्यान रखा जाए और किसानों को पीने का पानी, बैठने के लिए अस्थायी शेड और अन्य सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ।

वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन को भंडारित माल का बीमा कराने और बिक्री के तुरंत बाद किसानों को भंडारण रसीद देने की योजना बनानी चाहिए। विपणन मंत्री रावल ने निर्देश दिए कि खरीफ सीजन के लिए गारंटी मूल्य खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी और त्वरित तरीके से लागू किया जाए ताकि किसान केंद्र में रहें।

IRCTC ने मुंबई से विशेष शीतकालीन घरेलू एयर टूर पैकेज किए लॉन्च

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (IRCTC), जो रेल मंत्रालय के अधीन एक प्रमुख सार्वजनिक उपक्रम है, ने अपने पश्चिम क्षेत्रीय कार्यालय (मुंबई) द्वारा विशेष रूप से तैयार किए गए शीतकालीन घरेलू एयर टूर पैकेजों की घोषणा की है। ये विशेष एयर यात्रा पैकेज यात्रियों को किफायती, सुविधाजनक और यादगार छुट्टियाँ प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किए गए हैं।

गौरव झा , IRCTC पश्चिम क्षेत्र के समूह महाप्रबंधक ने बताया, कि 'हमारा उद्देश्य यात्रा को अधिक सुलभ और आनंददायक बनाना है, ताकि हर सफर एक यादगार अनुभव बन सके। ये पैकेज यात्रियों को सुविधा, आराम और किफायती दरों पर भारत के प्रमुख स्थलों की यात्रा का अवसर प्रदान करते हैं।'

इन टूर पैकेजों में भारत के उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्रों के आध्यात्मिक, प्राकृतिक, सांस्कृतिक और मनोरंजक स्थलों को शामिल किया गया है। प्रमुख पैकेज इस प्रकार हैं:

वाइब्रेंट सौराष्ट्र - (3 रात, 4 दिन)
प्रस्थानः 25 अक्टूबर, 20 नवंबर, 24 दिसंबर 2025; 29 जनवरी 2026
दर्शनीय स्थलः सासन गिर / सोमनाथ / द्वारका
पैकेज : 28,000 प्रति व्यक्ति (दो लोगों के साझा आधार पर)

रॉयल राजस्थान - (8 रात, 9 दिन)
प्रस्थानः 27 अक्टूबर, 10 नवंबर, 15 दिसंबर 2025; 24 जनवरी 2026
दर्शनीय स्थलः बीकानेर / जयपुर / जैसलमेर / जोधपुर / उदयपुर
पैकेज 57,300 प्रति व्यक्ति (दो लोगों के साझा आधार पर)

असम और मेघालय - (6 रात, 7 दिन)
प्रस्थान : 26 अक्टूबर 2025; 24 जनवरी 2026
दर्शनीय स्थलः चेरापूंजी / गुवाहाटी / काज़ीरंगा / मावलिनॉन्ग / शिलॉन्ग
पैकेज 64,500 प्रति व्यक्ति (दो लोगों के साझा आधार पर)

वाराणसी और अयोध्या - (6 रात, 7 दिन)
प्रस्थानः 9 नवंबर, 27 दिसंबर 2025; 24 जनवरी, 28 फरवरी, 29 मार्च 2026
दर्शनीय स्थलः वाराणसी / प्रयागराज / अयोध्या / लखनऊ
शुल्कः 49,200 प्रति व्यक्ति (दो लोगों के साझा आधार पर)

रण कच्छ और भुज - (3 रात, 4 दिन)
प्रस्थानः 7, 14, 21 नवंबर; 19, 26 दिसंबर 2025
दर्शनीय स्थल : व्हाइट रण - ढोलावीरा और भुज
पैकेज : 34,800 प्रति व्यक्ति (दो लोगों के साझा आधार पर)

फुल मून स्पेशल - रण कच्छ और भुज - (3 रात, 4 दिन)
प्रस्थानः 5 नवंबर; 4, 5, 6 दिसंबर 2025; 2, 3 जनवरी 2026
दर्शनीय स्थल : व्हाइट रण - ढोलावीरा और भुज
: पैकेज 36,100 प्रति व्यक्ति (दो लोगों के साझा आधार पर)

क्रिसमस और नववर्ष स्पेशल - रण कच्छ और भुज - (3 रात, 4 दिन)
प्रस्थान : 24, 25, 30, 31 दिसंबर 202
दर्शनीय स्थलः व्हाइट रण - ढोलावीरा और भुज
पैकेजः 41,500 प्रति व्यक्ति (दो लोगों के साझा आधार पर)

प्रत्येक पैकेज में शामिल हैं:
आवागमन हेतु रिटर्न एयरफेयर, होटल में आवास, भोजन, दर्शनीय स्थल भ्रमण व ट्रांसफर, प्रवेश शुल्क, पेशेवर टूर गाइड, ट्रैवल इंश्योरेंस एवं सभी कर (GST सहित - यथानुसार)

परिवार के साथ अवकाश बिताने, आध्यात्मिक यात्रा करने या एकल साहसिक यात्रा की योजना बनाने वाले यात्रियों के लिए ये टूर पैकेज एक बेहतरीन अवसर हैं।

शीतकालीन अवकाश के दौरान इन पैकेजों की अत्यधिक मांग को देखते हुए यात्रियों को समय रहते बुकिंग कराने की सलाह दी जाती है।

बुकिंग अब शुरू हो चुकी हैं। अधिक जानकारी, कीमतें व बुकिंग के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.irctctourism.com पर जाएं या मुंबई पश्चिम क्षेत्रीय कार्यालय से WhatsApp/SMS – 8287931886 संपर्क करें:

नगर निगम सीमा के भीतर भी घरकुल योजना का लाभ मिलेगा

ताला, म्हसाला और मानगांव तालुकाओं में घरकुल योजना को मंजूरी - आदिवासी विकास मंत्री डॉ. अशोक वुके

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

सरकार ने आदिवासियों को स्थायी आवास उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दी है। शबरी आदिवासी आवास योजना में, अब ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ नगर निगम सीमा में रहने वाले पात्र परिवारों को भी आवास योजना का लाभ मिल रहा है। आदिवासी विकास मंत्री डॉ. अशोक वुके ने बताया कि विभाग ने रायगढ़ जिले के ताला, म्हसाला और मानगांव तालुकाओं में आदिवासियों को आवास उपलब्ध कराने के प्रस्तावों को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी है।

आदिवासी विकास मंत्री डॉ. अशोक वुके ने रायगढ़ जिले के ताला और म्हसाला तालुकाओं के गांवों के लिए आदिवासी आवास योजना के लाभों के संबंध में मंत्रालय में एक बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे और आदिवासी विकास विभाग के संयुक्त सचिव मच्छिंद्र शेलके उपस्थित थे।

आदिवासी विकास मंत्री डॉ. अशोक वुइके ने कहा कि रायगढ़ जिले में घरकुल योजना से संबंधित विभिन्न मुद्दों के समाधान के लिए अगले सप्ताह संबंधित प्रांतीय अधिकारियों, वन विभाग के अधिकारियों और परियोजना अधिकारियों के साथ एक बैठक की जाएगी। घरकुल योजना के क्रियान्वयन में आने वाली प्रशासनिक, तकनीकी और कानूनी समस्याओं की समीक्षा की जाएगी और समाधान तय किए जाएँगे। डॉ. वुइके ने स्पष्ट किया कि जिले के पात्र लाभार्थियों को समय पर घरकुल का लाभ मिले, इसके लिए समन्वय स्थापित कर क्रियान्वयन में तेजी लाई जाएगी।

महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने कहा कि शबरी आदिवासी घरकुल योजना के माध्यम से रायगढ़ जिले के नगर पंचायत क्षेत्र के आदिवासियों को घर उपलब्ध कराने और उन्हें पानी, बिजली और सड़क जैसी आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगले चरण में इन घरों से संबंधित प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी की जाएगी और धन वितरण तथा वास्तविक निर्माण में तेजी लाई जाएगी।

ई-वाहन क्रांति का अर्थ है एक स्वच्छ, स्वस्थ और आर्थिक रूप से समृद्ध मुंबई का निर्माण- परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक

मुंबई।ई-वाहन क्रांति केवल परिवहन क्षेत्र में बदलाव नहीं है, बल्कि एक स्वच्छ, स्वस्थ और आर्थिक रूप से व्यवहार्य मुंबई बनाने का एक तरीका है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि पर्यावरण के अनुकूल मुंबई बनाना एक सामूहिक ज़िम्मेदारी है और यह बदलाव सभी के संयुक्त प्रयासों से सफल होगा।

'परिवर्तन के पहिए - मुंबई के ऑटो और टैक्सी चालकों के लिए ईवी अपनाने की समझ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परिवहन मंत्री श्री सरनाईक इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

इस कार्यक्रम में परिवहन आयुक्त विवेक भीमनवार, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सचिव डॉ. अविनाश ढकने, वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट इंडिया के सीईओ माधव पई और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि राज्य सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन नीति के तहत मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र को हरित परिवहन का केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा है। इस पहल में ऑटो और टैक्सी चालकों की सक्रिय भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण होगी।

इलेक्ट्रिक वाहन न केवल पर्यावरण के अनुकूल परिवहन के साधन हैं, बल्कि सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में चालकों के आर्थिक सशक्तिकरण का भी एक साधन हैं। ईंधन की कीमतों में उतार-चढ़ाव से मुक्ति और अधिक आय के अवसर प्रदान करना ई-वाहनों की महत्वपूर्ण विशेषताएँ हैं।

इस अवसर पर परिवहन मंत्री सरनाईक ने कहा कि भविष्य में एक स्वच्छ, स्वस्थ और आर्थिक रूप से समृद्ध मुंबई का निर्माण हम सभी की ज़िम्मेदारी है।

सम्पादकीय

जीएसटी की दरों में कटौती से लोगों को मिलेगी राहत, अमेरिकी टैरिफ का प्रभाव होगा कम

सरकार की ओर से हाल में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती के एलान से माना जा रहा था कि इससे आम लोगों को महंगाई से थोड़ी राहत मिलेगी। उनके पास पैसों की बचत होगी, जिसे वे अन्य जरूरी वस्तुएं जुटाने पर खर्च कर सकेंगे। मगर इससे पहले कि जीएसटी की नई दरें लागू होतीं, लोगों की जेब पर एक और शुल्क का बोझ पड़ गया है। आनलाइन माध्यम से भोजन की आपूर्ति करने वाली कुछ कंपनियों ने अपने मंच शुल्क में बढ़ोतरी कर दी है। यानी आनलाइन भोजन मंगवाना अब महंगा हो जाएगा। इसका असर देशभर के लाखों लोगों पर पड़ेगा।

माना जा रहा है कि 22 सितंबर से आपूर्ति शुल्क पर अठारह फीसद जीएसटी लागू होने पर आनलाइन भोजन मंगाने पर खर्च और बढ़ सकता है। ऐसे में यह सवाल भी अहम हो गया है कि सरकार ने जीएसटी सुधारों के तहत जो कदम उठाया है, क्या वास्तव में उसका लाभ उभोक्ताओं को मिल पाएगा या नहीं?

खबरों के मुताबिक, आनलाइन बुकिंग के माध्यम से भोजन परोसने वाली एक मुख्य कंपनी ने चुनिंदा बाजारों में अपना मंच शुल्क जीएसटी सहित पंद्रह रुपए कर दिया है। इसकी एक अन्य प्रतिद्वंद्वी कंपनी ने भी अपना मंच शुल्क बढ़ाकर 12.50 रुपए (जीएसटी को छोड़कर) कर दिया है, जबकि एक अन्य कंपनी ने व्यापक उद्योग रुझानों के अनुरूप अपना मंच शुल्क संशोधित करके दस रुपए प्रति आर्डर कर दिया है। भोजन आपूर्ति कारोबार से जुड़े विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि 22 सितंबर से जब आपूर्ति शुल्क पर अठारह फीसद जीएसटी लागू हो जाएगा तो उपयोगकर्ताओं पर प्रति आर्डर लगभग दो रुपए से लेकर ढाई रुपए से ज्यादा तक अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। जानकारों का कहना है कि जीएसटी में बदलाव से भोजन तैयार करने की लागत पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा, इसलिए उपभोक्ताओं पर शुल्क का अतिरिक्त बोझ डालने का औचित्य समझ से परे है। ऐसे में इन कंपनियों द्वारा मंच शुल्क में एक साथ की गई बढ़ोतरी खाद्य वितरण क्षेत्र में महंगाई के बढ़ते रुझान को रेखांकित करती है, जिससे यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या लाखों ग्राहकों के लिए सामर्थ्य और सुविधा अब भी साथ-साथ चल सकती हैं?

सरकार का तर्क है कि जीएसटी दरों में कटौती और इनके सरलीकरण से न केवल आम उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी, बल्कि घरेलू मांग भी बढ़ेगी, छोटे और बड़े उद्यमों को ज्यादा अवसर मिलेंगे, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे तथा लोगों की आय बढ़ेगी, जिससे उनके खर्च की क्षमता भी बढ़ेगी। सरकार के इस फैसले को अमेरिकी शुल्क की चुनौतियों से निपटने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। दरअसल, सरकार का जोर घरेलू मांग और खपत बढ़ाने पर है।

कर में राहत से लोगों की खरीद क्षमता बढ़ेगी और इसके परिणामस्वरूप खपत में भी बढ़ोतरी होगी, जिससे अमेरिकी शुल्क का प्रभाव कम होगा। मगर यह तभी संभव होगा, जब जीएसटी दरों में कटौती का लाभ वास्तव में उपभोक्ताओं तक पहुंचेगा। अगर एक तरफ कर कम किया जाता है और दूसरी तरफ बढ़ा दिया जाता है तो जाहिर है कि मांग और खपत बढ़ने की उम्मीदों पर भी धुंधलका छाया रहेगा। ऐसे में सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि जीएसटी सुधारों का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे और जिन उत्पादों पर कर बढ़ा है, उसका बोझ सीधा उपभोक्ता पर न डाला जाए।

नेपाली संसद के सामने सरकार बनाम जेन जेड
फेसबुक-एक्स-यूट्यूब को लेकर युवाओं ने क्यों बवाल काट दिया?

हमारे पड़ोसी मुल्क नेपाल ने हाल ही में कुछ ऐसा काम कर दिया है कि दुनिया की निगाहें उसकी ओर खुद प खुद चली गई है। दुनिया में एक ओर जहां चीन, अमेरिका, रूस के बीच रस्साकस्सी चल रही है और सभी अपनी ताकत की आजमाइश में लगे हैं। भारत अमेरिका के साथ, भारत रूस के साथ, भारत चीन के साथ नए रिश्तों के आयाम तलाश रहा है। ऐसे में हमारे पड़ोसी मुल्क नेपाल ने एक कारनामा कर दिया। कारनामा ये कि उसने 26 सोशल मीडिया साइट्स को बैन कर दिया। इसमें फेसबुक, लिंकडइन, एक्स, यूट्यूब, व्हाट्सएप सब शामिल हैं। अब इतना बड़ा कदम उठा लिया गया। अब इतना बड़ा कदम उठाया गया तो इसकी प्रतिक्रिया भी देखने को मिल रही है। नेपाल की राजधानी काठमांडू की सड़कों पर आज जबरदस्त विरोध प्रदर्शन देखने को मिली। हजारों की संख्या में जेन-जी लड़के और लड़कियां सड़कों पर उतर आए। आपको सिलसिलेवार ढंग से बताते हैं कि नेपाल में सरकार ने सोशल मीडिया को लेकर क्या फैसला लिया। फैसला लेने के पीछे की वजह क्या है, युवाओँ की नाराजगी की वजह क्या है?

नेपाल में फेसबुक, एक्स, यूट्यूब और इंस्टाग्राम जैसे 26 सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म ब्लॉक होने से लोगों को अपने परिवारवालों से कनेक्ट करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नेपाल सरकार ने सभी कंपनियों को एक हफ्ते में रजिस्ट्रेशन करने का वक्त दिया था। 28 अगस्त डेडलाइन थी, लेकिन जिस रजिस्ट्रेशन नहीं किया, तो ब्लॉक कर दिया। गुरुवार सुबह से लोगों को इन प्लैटफॉर्म का इस्तेमाल करने में दिक्कत आने शुरू हुई। काठमांडू की रचना रोक्का कहती हैं कि सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर सख्ती से उन छोटे बिजनेस को नुकसान हो सकता है जो अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लैटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं। वहीं नेपाल का प्रसिद्ध त्यौहार दसाई आने वाला है, आमतौर पर ये सीजन बिजनेस के लिए अच्छा माना जाता है।

दो हफ्ते पहले ही नेपाल के कोर्ट ने कहा था कि सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म को रजिस्टर होना ही चाहिए। सरकार का कहना है कि इसी फैसले के चलते दो दर्जन से ज्यादा प्लैटफॉर्म को कई बार रजिस्टर कराने के लिए कहा, उन्होंने नहीं किया, इसलिए ब्लॉक करना पड़ा। रजिस्ट्रेशन के बाद इन प्लैटफॉर्म के ऑपरेशन को बहाल कर दिया जाएगा।

नेपाल के सूचना एवं संचार मंत्रालय ने 2082.05.12 (नेपाली कैलेंडर के अनुसार) को एक पब्लिक नोटिस जारी कर सोशल मीडिया कंपनियों को सात दिन का समय दिया था। इस दौरान कंपनियों को मंत्रालय में रजिस्टर होना थ. उन्हें एक लोकल कॉन्टैक्ट पर्सन और कंप्लायंस ऑफिसर नियुक्त करना था और लोकल शिकायतों को संभालने के लिए मैकेनिज्म बनाना था। लेकिन तय समय में कंपनियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद नेपाल टेलीकम्युनिकेशन अथॉरिटी को आदेश दिया गया कि ऐसे सभी प्लेटफॉर्म को नेपाल में ब्लॉक कर दिया जाए। हालांकि, अगर कोई कंपनी नियमों के अनुसार रजिस्ट्रेशन पूरा कर लेती है तो उसकी सेवाएं तुरंत बहाल कर दी जाएंगी।

केपी शर्मा ओली सरकार में भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाने के उनके हालिया कदम के खिलाफ नेपाल में जेन जेड एक बड़े विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहा है। ऑनलाइन शुरू हुआ यह विरोध सोमवार को सड़कों पर भी फैल गया, जहाँ प्रदर्शनकारियों की संसद के पास पुलिस से झड़प हो गई। सुरक्षा बलों ने जवाबी गोलीबारी की, जिसमें कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए। हज़ारों युवा प्रदर्शनकारियों ने काठमांडू में 'जेन जेड क्रांति' नाम से एक प्रदर्शन किया। कई प्रदर्शनकारियों ने प्रतिबंधित क्षेत्रों में घुसकर पुलिस बैरिकेड्स तोड़ दिए। जैसे-जैसे झड़पें बढ़ती गईं, पुलिस ने कई जगहों पर गोलीबारी की, जिसके बाद अधिकारियों को राजधानी में कर्फ्यू लगाना पड़ा। प्रतिक्रियास्वरूप, प्रशासन ने संसद क्षेत्र तथा राजधानी के अन्य प्रमुख स्थानों पर कर्फ्यू लगा दिया, क्योंकि दिन के शुरुआती घंटों से ही स्थिति काफी अस्थिर हो गई थी। युवाओं के नेतृत्व में यह आंदोलन 4 सितंबर को सरकार द्वारा फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्सएप और यूट्यूब सहित 26 सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साथ पंजीकरण न कराने के कारण ब्लॉक करने के निर्णय के बाद शुरू हुआ। हालाँकि सरकार का दावा है कि यह प्रतिबंध नियामक अनुपालन का मामला है, लेकिन प्रदर्शनकारी इसे आलोचनात्मक आवाज़ों और संगठित असहमति को दबाने के उद्देश्य से की गई सीधी सेंसरशिप कार्रवाई मानते हैं।

सरकार द्वारा लगाए गए फ़ोन और इंटरनेट ब्लैकआउट के बावजूद, जेनरेशन ज़ेड के कार्यकर्ताओं ने टिकटॉक और रेडिट जैसे वैकल्पिक प्लेटफ़ॉर्म का सहारा लिया। हज़ारों युवा प्रदर्शनकारी इकट्ठा हुए और सरकार और उसकी नीतियों के खिलाफ़ नारे लगाए। मार्च मैतीघर मंडला से शुरू हुआ और संसद भवन की ओर बढ़ा। जैसे ही प्रदर्शनकारी संसद के पास पहुँचे, पुलिस ने बैरिकेड लगा दिए, लेकिन गुस्साई भीड़ ने बैरिकेड तोड़ दिए, जिसके बाद अधिकारियों को आँसू गैस के गोले छोड़ने पड़े और पानी की बौछारें करनी पड़ीं। अफरा-तफरी के बीच, कुछ प्रदर्शनकारी संसद परिसर में घुसने में कामयाब हो गए। ऑनलाइन प्रसारित हो रहे वीडियो और तस्वीरों में आँसू गैस के गोले हवा में लहराते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि प्रदर्शनकारी पुलिस पर टहनियाँ और पानी की बोतलें फेंक रहे हैं। विश्लेषकों का तर्क है कि 'जेन ज़ेड क्रांति' नाम का यह आंदोलन भ्रष्टाचार और आर्थिक असमानता के खिलाफ बढ़ते गुस्से से उपजा है। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के कदम ने अंतिम चिंगारी का काम किया, जिसने नेपाल के डिजिटल-प्रेमी युवाओं को ऑनलाइन जगहों से सड़कों पर उतरकर एक साहसिक और समन्वित प्रतिरोध प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

विकास की कहानियां प्रदर्शित करती दिखती हैं झांकियां
दुनिया को कूटनीति के तहत अपनी ताकत से परिचित कराना

प्रदर्शन के मूल में उन्नति होती है। यह भी मान सकते हैं कि प्रदर्शन से तरक्की का मार्ग प्रशस्त होता है। बढ़ने और इससे आगे बढ़ने की लालसा जीवन के क्रम हैं। जीवन में हर हाल में जागृति रहे, इसलिए प्रदर्शन होते रहने चाहिए। जागरूक व्यक्ति नई से नई राह पर चल कर एक से एक उपलब्धियां पा लेता है। ऊंचे से और ऊंचा बढ़ने को कृतसंकल्प रहता है। इसे ही सही विकास की राह पर चलना कहते हैं। विकास और उन्नति या तरक्की कोई अलग चीज नहीं, एक दूसरे के पर्याय हैं। शब्दों के मायाजाल पर मोहित होने की जरूरत तो नहीं है, लेकिन प्रदर्शन को शायद इसीलिए प्रगति सूचक कहा जाता है कि इसमें खुद को अभिव्यक्त किया जाता है।

किसी भी प्रदर्शन से पूर्व नई सकारात्मक सोच लानी होती है। सिर्फ अचानक ही आसमान की ओर देख लेने से कुछ नहीं होता। कम से कम अपने ऊपर आत्मविश्वास के स्तर को कुछ ऊंचा रखना पड़ता है। कुछ लोग उसे अहं के रूप में देख सकते हैं, लेकिन उसी आरोप को संभालना पड़ता है। शुरूआत में दृष्टि एक बिंदु पर न टिक कर इधर-उधर घूमती है, लेकिन सब कुछ देख लेने की फौरी जिज्ञासा इतनी प्रबल होती है कि जितना दिखता है, उससे और अधिक देख लेना चाहती है। इसे सृजक के नजरिए से देखा जा सकता है। दुनिया भर के सृजन के स्रोत ऐसे ही बनते हैं और बढ़ते जाते हैं। उमंगों की हिलोरों से एक खास उमंग जब उठती है ऊपर, तो वह आसमान को छू लेने की चाहत रखती है। इसे ही मुहावरे में कहा जाता है आसमान में छेद करना। यह मूलतः प्रदर्शन का परिणाम है। इसलिए यह आवश्यक है कि आगे बढ़ने की निरंतरता सदा बनी रहे।

आमतौर पर प्रत्येक विद्यार्थी की शैक्षिक प्रगति यानी 'प्रोग्रेस रिपोर्ट-कार्ड' बनाया जाता है, जिसे 'रिजल्ट कार्ड' या परिणाम-पत्र भी कहते हैं। इसे अच्छे-बुरे या उन्नति-अवनति का परिणाम प्रदर्शन-पत्र भी कह सकते हैं। यहां मुख्य उद्देश्य केवल प्रदर्शन से है। ये अक्सर जीवन में पथ-प्रदर्शक का कार्य कर जाते हैं। अनजाने में आई जटिलताओं का निवारण भी इन्हीं के आधार पर केंद्रित होता है।

आम जीवन में ही नहीं, बल्कि देश-विदेश की सरकारें भी स्वीकार्य प्रदर्शन करवाती हैं। अंतर इतना होता है कि कहीं दिखाने के लिए तो कहीं दूसरे को डराने-धमकाने के लिए ये प्रदर्शन किए जाते हैं। हालांकि प्रदर्शन कोरे प्रदर्शन नहीं होते, न ही ये मूक-बधिर होते हैं, बल्कि कुछ जागरूक लोगों की बुलंद आवाज में भी हो सकते हैं कि जिससे बड़े से बड़े सदन हिल जाते हैं। गहराई से देखा जाए तो शांतिपूर्ण प्रदर्शन से आपसी सौहार्द बना रहता है। टीवी पर एक पारिवारिक धारावाहिक में अलग-अलग जाति-धर्म-भाषा के परिवार हंसी-खुशी से रहते दिखाए जाते हैं। वे बात-बेबात लड़ाई-झगड़े भी करते हैं। फिर सुलह-दोस्ती कर एक सीध में हंसते हुए खड़े दिखते हैं। ये खड़े होने की उनका शैली ही खास प्रदर्शन है। इनके चेहरे दर्शकों की ओर मुंह किए हुए अर्ध-गोलाई में होते हैं।

बहरहाल, प्रदर्शन एक समान हो और उसका फल भी एक समान आए, यह तब संभव है जब एक समान शिक्षण-प्रशिक्षण हो, कोई भेदभाव न रखा जाए। बच्चों को एक स्कूल-परिधान पर्याप्त नहीं होते। उन्हें समान अवसर भी मिलना चाहिए। इसलिए कई विद्यालयों नें अपने विद्यार्थियों को अंग्रेजी के 'यू' अक्षर, यानी अर्धगोलाकार आकृति में बैठाना शुरू कर दिया है। इसके फलस्वरूप हर विद्यार्थी अपने शिक्षक के सामने होता है, उनसे सवाल-जवाब या बातचीत भी कर सकता है। इससे वह अपने शैक्षिक प्रदर्शन को बेहतर कर सकता है। एक-दूसरे के पीछे बैठने की मानसिकता कभी भी आगे, और आगे बढ़ने को प्रेरित नहीं करती।

सब जानते हैं स्वतंत्रता दिवस या गणतंत्र दिवस जैसे मौकों पर देश की जनता को संबोधित किया जाता है। यह भी सरकार की विविध उपलब्धियों के प्रदर्शन का ही मौका होता है। जनसमूह इसे देख-सुन कर मान भी लेता है। इस अवसर पर दुनिया को एक कूटनीति के तहत अपनी ताकत से परिचित भी कराना होता है। विभिन्न झांकियां विकास की कहानियां प्रदर्शित करती दिखती हैं। चूंकि प्रदर्शन विकास के संदर्भ में होते हैं, इसलिए कई लोगों के लिए इसका अध्ययन स्वाभाविक हो जाता है।

यों प्रदर्शन का इतिहास बहुत पुराना है। जहां तक लोकतांत्रिक प्रदर्शनों की बात है, इनकी जगहें बदलती रही हैं। जो प्रदर्शन कभी किसी शहर के केंद्र में हुआ करते थे, उनके लिए अब उसी शहर के किसी किनारे-कोने में जगह तय कर दी गई है। चूंकि बेबस जनता का मूल अधिकार होता है प्रदर्शन करना, अपनी बात को सरकार तक पहुंचाना, तो उधर जिम्मेदार सरकार का भी दायित्व बनता है इन प्रदर्शनों को संरक्षित और सुरक्षित रखना। जिस देश में प्रदर्शन जिंदा रहते हैं, वहां लोकतंत्र कभी मरता नहीं।

प्रदर्शन का दर्शन-शास्त्र समझने के लिए पीछे की ओर भी देखा जा सकता है। गांधीजी के लिखे को केवल याद करने से नहीं चलेगा, उन्हें संजीदगी से पढ़ने और समझने की जरूरत है। यह जानना चाहिए कि ब्रिटिश सत्ता के दौरान भारत ने गांधी जी की प्रेरणा से किस तरह अपनी स्वतंत्रता की मजबूत इच्छाशक्ति का प्रदर्शन किया था और आखिरकार इन्हीं से निकले संदेशों के संकेत समझते हुए, अहिंसक प्रदर्शनों को देखते हुए अंग्रेज यहां से चले गए। यानी प्रदर्शन की दिशा सकारात्मक हो, तो वह देश-दुनिया में स्थायी अध्याय की रचना कर सकता है।

नेक्स्टजेन जीएसटी सुधार केवल कर सुधार नहीं बल्कि राष्ट्र-निर्माण को तेज रफ्तार देने का परिचायक

मौजूदा नेक्स्टजेन जीएसटी सुधार केवल कर सुधार नहीं बल्कि राष्ट्र-निर्माण को तेज रफ्तार देने का परिचायक है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थ भारत के सपनों को पंख लगाने वाला वह निर्णायक उपाय है जिसका सकारात्मक असर बहुत जल्द ही देश-दुनिया पर दिखाई पड़ेगा। बता दें कि 56वीं जीएसटी परिषद की बैठक, जो गत 3 सितम्बर 2025 को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित हुई, ने नेक्स्टजेन जीएसटी सुधारों की घोषणा की। जिसके दृष्टिगत यह कहा जा सकता है कि यह भाजपा सरकार का एक साहसिक, ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम है, जिसने भारत की आधुनिक आर्थिक क्रांति के निर्माता के रूप में अपनी पहचान को और मजबूत किया है।

बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के ऐतिहासिक लाल किले के संबोधन में घोषित और आगामी 22 सितम्बर 2025 अर्थात नवरात्रि के पहले दिन से लागू होने वाले ये सुधार वास्तव में 140 करोड़ भारतीयों के लिए राहत और समृद्धि का पर्व हैं। ऐसा इसलिए कि भाजपा नीत एनडीए के नेतृत्व वाली मोदी सरकार ने पुराने जटिल कर ढांचे को सरल बनाकर नागरिकों के अनुकूल 2-स्लैब संरचना में बदल दिया है। इसके तहत आवश्यक वस्तुओं पर 5 प्रतिशत और सामान्य वस्तुओं और सेवाओं पर 18 प्रतिशत और केवल विलासिता एवं हानिकारक वस्तुओं पर 40 प्रतिशत टैक्स लगाया गया है। इस प्रकार से यह वर्ष 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद से अब तक का सबसे बड़ा कर सुधार है।

ऐसा होने से दैनिक आवश्यक वस्तुएँ, जैसे- दूध, चावल, आटा, चाय, दही, किताबें और भारतीय रोटियाँ अब या तो कर-मुक्त हैं या सिर्फ 5 प्रतिशत पर कर लग रहा है। यह पीएम मोदी जी की गरीब और मध्यम वर्ग के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है ताकि कोई भी भारतीय परिवार अपनी रोज़मर्रा की जरूरतों से बोझिल न हो। यह भाजपा सरकार की 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की प्रतिबद्धता का दोहराव भी है।

खास बात यह है कि अब स्वास्थ्य सेवाएँ भी सुलभ हुईं हैं। क्योंकि सभी स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसियाँ कर-मुक्त कर दी गई हैं और जीवनरक्षक दवाओं पर भी जीएसटी शून्य कर दिया गया है। इस प्रकार भाजपा नीत एनडीए सरकार ने आम आदमी के दुःख-दर्द के प्रति अपनी जो गहरी संवेदनशीलता दिखाई है और संकट की घड़ी में गरिमा और राहत सुनिश्चित की है, वह सराहनीय है। लगता है कि सरकार पर आरएसएस का बौद्धिक दबाव काम कर गया है।

आपको पता है कि किसान वर्ग जो भारत की रीढ़ समझे जाते हैं, सुधारों के केंद्र में हैं। उनके फायदे के लिए ही ट्रैक्टर, सिंचाई प्रणालियों, खाद और कीटनाशकों पर जीएसटी को घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे खेती की लागत घटेगी और ग्रामीण समृद्धि बढ़ेगी। इससे स्पष्ट हो गया है कि यह लोकहितैषी सरकार वास्तव में किसानों के साथ खड़ी है।

वहीं, गृहिणियों और परिवारों को भी इस जीएसटी सुधार से सीधा लाभ मिला है। क्योंकि साबुन, शैंपू, टूथपेस्ट, साइकिल, रेफ्रिजरेटर, टीवी और वॉशिंग मशीन जैसी घरेलू वस्तुएँ अब सस्ती होंगी। इस प्रकार भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने यह कर दिखाया है कि वह हर भारतीय परिवार के सरल जीवन यापन (इज ऑफ लिविंग) की परवाह करती है और टैरिफ के मामले में अमेरिकी झटका लगने के बावजूद वह जनकल्याण को समर्पित है। यह आम भारतीयों के लिए सौभाग्य की बात है। आरएसएस-भाजपा जैसे जमीनी संगठनों से ऐसे ही सकारात्मक बदलाव की उम्मीद साल 2014 से ही की जा रही थी, जो अब जाकर पूरी हुई है।

इस जीएसटी सुधार से युवा आकांक्षाओं की पूर्ति होने में भी मदद मिली है, क्योंकि छोटी कारों और मोटरसाइकिलों पर जीएसटी में कटौती से वे पहली बार खरीदारों के लिए सस्ती होंगी। वहीं, इनकी बढ़ती मांग से रोजगार भी पैदा होंगे, जो मोदी जी की युवा सशक्तिकरण की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

वहीं, हालिया बदलाव से तेज रफ्तार अवसंरचना विकास को भी बल मिलेगा, क्योंकि सीमेंट पर कर 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे आमलोगों के घरों की लागत कम होगी और खास लोगों को भी अतिरिक्त बचत का मौका मिलेगा। इससे निकट भविष्य में अवसंरचनात्मक परियोजनाओं की गति बढ़ेगी, जिससे लाखों रोजगार सृजित होंगे। बतातें चलें कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अवसंरचनात्मक विकास सिर्फ नीति नहीं बल्कि राष्ट्र-निर्माण का मजबूत मिशन भी है।

अर्थशास्त्रियों की राय है कि मौजूदा अभूतपूर्व जीएसटी बदलाव से एमएसएमई रोजगार की रीढ़ समझे जाने वाले छोटे छोटे व्यवसायों को भी काफी लाभ मिलेगा। इससे उनको आशातीत विकास का अवसर मिला है। वहीं, जीएसटी के सरल अनुपालन, एआई आधारित निगरानी और तेज़ रिफंड से कांग्रेस के लंबे उपेक्षा काल के बाद, भाजपा सरकार ने इन्हें नवाचार, विस्तार और मजबूती दी है, जो सराहनीय पहल बताई जा रही है।

कहना न होगा कि ये सभी सुधार सीधे तौर पर भाजपा की आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी प्रमुख योजनाओं का पूरक समझी जाती हैं। इसलिए लागत घटाकर और लालफीताशाही कम करके पीएम मोदी जी ने दिखाया है कि सुधार सिर्फ नारे से नहीं बल्कि वास्तविक कार्रवाई की वजह से आती हैं।

मौजूदा जीएसटी सुधार से कपड़ा और उर्वरक उद्योग, जो लंबे समय से उल्टे कर ढांचे से जूझ रहे थे, को भी लाभ मिलेगा, क्योंकि अब उन्हें भी जीएसटी दरों के युक्तिकरण से सीधा लाभ मिलेगा। इस प्रकार यह न सिर्फ उद्योग को बढ़ावा देता है बल्कि भाजपा की निर्णायक और उत्तरदायी शासनशैली को भी दर्शाता है।

सरकार की इस पहल से मध्यम वर्ग का भी सशक्तिकरण होगा। ऐसा इसलिए कि कांग्रेस, जिसने मध्यम वर्ग को टैक्स मशीन की तरह इस्तेमाल किया, उसके विपरीत भाजपा नीत एनडीए सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में उन्हें बेमिसाल राहत दी है, क्योंकि अब आवश्यक वस्तुएँ कर-मुक्त हैं और आकांक्षी वस्तुएँ सस्ती। इससे कारोबार में भी इजाफा होगा। वहीं, जीएसटी सरलीकरण से भारत की लॉजिस्टिक लागत कम हुई है, जिससे भारतीय वस्तुएँ वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनी हैं। एक बार फिर, भाजपा के जीएसटी सुधारों ने भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने की दृष्टि को साबित किया है।

महत्वपूर्ण बात यह कि जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण (उएऊँऊ) दिसंबर 2025 तक शुरू किया जाएगा। इसके लिए भाजपा सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि वर्षों से झेली जा रही परेशानियों का अंत हो और व्यवसायों को न्याय, पारदर्शिता और तेज़ समाधान मिले। जहां तक महिला उद्यमियों के सशक्तिकरण का सवाल है तो सरल जीएसटी और आसान क्रेडिट पहुँच से महिला नेतृत्व वाले एमएसएमई को विस्तार, रोजगार और नवाचार का अवसर मिलेगा। यह प्रधानमंत्री मोदी जी की 'नारी शक्ति भारत की प्रगति की चालक है' वाली सोच से जुड़ा है।

जहां तक इस सामूहिक सरकारी फैसले के सामूहिक आर्थिक प्रभाव का सवाल है तो नेक्स्टजेन जीएसटी सुधारों से जीडीपी में 1-1.2 प्रतिशत की वृद्धि और महंगाई में 1 प्रतिशत से अधिक की कमी का अनुमान है। यह भाजपा सरकार की विकास और स्थिरता के संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाता है। सवाल है कि जब दुनिया मंदी से जूझ रही है, तब भाजपा शासन में भारत 7.8 प्रतिशत की दर से सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। यह मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की निर्णायक और दूरदर्शी शासनशैली का प्रमाण है। ऐसे में कहना न होगा कि यूपीए बनाम एनडीए का फर्क अब साफ महसूस किया जाएगा। क्योंकि यूपीए के दौर में जहां आटा, चावल और चाय पर वैट लगाया जाता था; वहीं अब एनडीए सरकार में वे कर-मुक्त हैं। स्पष्ट है कि कांग्रेस ने केवल वादे किए, जबकि भाजपा ने वास्तविक परिवर्तन लाकर दिखाया। और अंततः यह कहना समीचीन होगा कि नेक्स्टजेन जीएसटी सुधार केवल कर सुधार नहीं बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में राष्ट्र-निर्माण की तेज रफ्तार के परिचायक बन चुके हैं। ये पहल हर नागरिक को राहत, हर उद्योग को प्रोत्साहन देते हैं और भारत को 'विकसित भारत 2047' के सपने के और करीब ले जाते हैं। इस प्रकार यह महसूस किया जा सकता है कि देश में एक ही पार्टी की डबल इंजन सरकार और ट्रिपल इंजन सरकार बनने से विकास अब धरातल पर पहुंच चुका है। यह गरीबों की झोपड़ियों में भी बहुत जल्द ही दिखाई देने वाला है।

मण्डलायुक्त ने ग्राम पंचायत चिल्ला सहबाजी का किया निरीक्षण

कौशाम्बी। मण्डलायुक्त, प्रयागराज विजय विश्वास पंत ने आज ग्राम पंचायत-चिल्ला सहबाजी का निरीक्षण किया।

ज्ञात हो कि मण्डलायुक्त द्वारा ऑगनबाडी केन्द्र के निरीक्षण के दौरान मौके पर वजन मशीन नहीं पायी गई। आंगनबाड़ी कार्यकत्री ने अवगत कराया कि वजन माप यंत्र को टीकाकरण स्थल पर ले जाया गया है। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद की सभी आंगनबाड़ी कार्यक्रत्रियों से लिखित प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया जाय कि उनके द्वारा पोषण टैंकर में भरी गयी समस्त विवरण सही है और रैण्डम आधार पर इसका सत्यापन भी कराया जाय। सत्यापन के दौरान अन्तर पाये जाने पर सम्बन्धित आंगनबाड़ी कार्यकत्री का वेतन अवरुद्ध किया जाय।

मण्डलायुक्त ने किया मॉडल शॉप का निरीक्षण

कौशाम्बी। मण्डलायुक्त ने ग्राम पंचायत चिल्ला सहबाजी में स्थित मॉडल शॉप के निरीक्षण के दौरान जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि वजन मशीन का मापांकन कराया जाय। ग्रामवासियों द्वारा अवगत कराया गया कि ग्राम पंचायत-दानियालपुर में कोटा निलम्बित चल रहा है, जिसके दृष्टिगत उन्हांने जिला पूर्ति अधिकरी को संज्ञान लेते हुए तत्काल कोटा बहाली के सम्बन्ध में नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने आरोग्य केन्द्र के निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद के समस्त ए.एन.एम. एवं आशा की एम.ओ.आई.सी. प्रत्येक महीने बैठक कर समीक्षा करें।

मण्डलायुक्त ने ग्राम चौपाल लगाकर सुनी ग्रामवासियों की समस्याएं

कौशाम्बी। मण्डलायुक्त ने चिल्ला सहबाजी में निर्मित पंचायत भवन में बैठक की। उन्होंने ग्रामीण मो0 उबैद द्वारा अम्बेडकर पार्क के पास साफ-सफाई कराये जाने के मॉग पर ग्राम पंचायत में कार्यरत सचिव को निर्देशित किया कि अम्बेडकर पार्क की तत्काल वृहद रूप से साफ-सफाई करवा दिया जाय। उन्हांने उपस्थित ग्रामीणों से अपील की कि अम्बेडकर पार्क की साफ-सफाई होने के उपरान्त निरन्तर स्वच्छता बनाये रखें। उन्हांने ग्रामवासी अरई लाल द्वारा रामदीन के घर से पीपल के पेड़ तक 250 मीटर रोड बनवाये जाने की मॉग पर सचिव को नियमानुसार कराये जाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार राम सरेमन द्वारा अवगत कराया गया कि राम बहोरे के घर के पास लगे हैण्डपम्प में सबमर्सिबल लगा हुआ है, जिस पर उन्होंने जिला पंचायतराज अधिकारी को निर्देशित किया कि इस हैण्डपम्प से तत्काल सबमर्सिबल हटवाकर हैण्डपम्प को पुनः चालू करवाया जाय।

इस अवसर पर जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एवं मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

वर्मी कम्पोस्ट का कराया जाय प्रचार-प्रसार

कौशाम्बी। मंडलायुक्त ने चिल्ला सहबाजी में बनवाये गये वर्मी कम्पोस्ट के सम्बन्ध में ग्राम प्रधान से जानकारी प्राप्त करने पर ग्राम प्रधान ने बताया कि 02 टन वर्मी कम्पोस्ट बनकर तैयार है, जिस पर मण्डलायुक्त ने प्रधान एवं सचिव को निर्देशित किया कि वर्मी कम्पोस्ट का लोगों में प्रचार-प्रसार कराते हुए इसकी बिक्री कराते हुए ग्राम पंचायत का राजस्व बढ़ाया जाय।

लखनऊ में दिखेगा निशानची का रंग

12 सितंबर को ऐश्वर्य ठाकरे-वेदिका पिंटो की नई जोड़ी संग पहुँचेंगे डायरेक्टर अनुराग कश्यप

जित मुम्बई। अपनी बोल्ड स्टोरीटेलिंग के लिए मशहूर फिल्ममेकर अनुराग कश्यप चेन्नई के बाद अब अपनी सबसे ज्यादा इंतेज़ार की जाने वाली फिल्म निशानची के प्रमोशन के लिए लीड कास्ट ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो संग नवाबों के शहर कहे जाने वाले लखनऊ का दौरा करने जा रहे हैं। फिल्म का ट्रेलर लॉन्च होते ही यह लगातार सुर्खियों में बनी हुई है, ऐसे में 12 सितंबर को होने वाला यह दौरा उत्साह को और बढ़ाने वाला है।

अमेज़न श्उश स्टूडियो द्वारा रिलीज की जा रही इस फिल्म के साथ बेहद टैलेंटेड ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो बतौर लीड अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। हाल ही में रिलीज हुए ट्रेलर में दोनों एक्टर्स की परफॉर्मेंस बेहद कैची लगी है, साथ ही उनकी केमिस्ट्री दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर रही है कि क्या सच में यह उनकी डेब्यू फिल्म है। इसके अलावा निशानची के साथ ऐश्वर्य सिर्फ एक्टिंग ही नहीं बल्कि बतौर सॉन्ग राइटर और कंपोजर भी अपना डेब्यू कर रहे हैं। गाने का हुक लाइन 'पिजन कबूतर भइया, उड़न फ्लाई, लुक देखो आसमान इस्काई' पहले से ही लोगों की जुबान पर चढ़ गया है। गाना पिजन कबूतर तेज़ी से एक जबरदस्त ईयरवर्म यानी सभी का पसंदीदा बनता नजर आ रहा है।

निशानची इस 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है और इससे पहले ही इंडस्ट्री में इसे लेकर जबरदस्त चर्चा का माहौल बना हुआ है। ट्रेलर को न सिर्फ दर्शकों से सराहना मिल रही है बल्कि अमिताभ बच्चन, आयुष्मान खुराना जैसे कई बड़े नामों ने भी इसकी तारीफ की है।

निशानची का देसी तड़का इसे देखने के लिए दर्शकों की बेसब्री को और बढ़ा रहा है। फिल्म की कहानी से लेकर म्यूज़िक हर एक चीज बेजोड़ है। जहां, इसका म्यूज़िक अपनी ताज़गी और अलग अंदाज़ के कारण लोगों के दिल को छू रहा है। वहीं, ऐश्वर्य का डेब्यू फिल्म में उनके डबल रोल के कारण सबसे ज्यादा चर्चित डेब्यूज़ में से एक बन गया है। इसके साथ ही, फिल्म की एंसेंबल कास्ट इसे और भी दिलचस्प बना देती है, जिसमें वेदिका पिंटो, मोनिका पनवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा जैसे कलाकार हैं, जो कहानी में गहराई लाते हैं।

अजय राय और रंजन सिंह के प्रोडक्शन हाउस जार पिक्चर्स के बैनर तले बनी यह फिल्म, फ्लिप फिल्म्स के साथ एसोसिएशन में बनाई गई है। फिल्म को प्रसून मिश्रा, रंजन चंदेल और अनुराग कश्यप ने मिलकर लिखा है। एक्शन, ह्यूमर और ड्रामा से भरपूर यह मसाला एंटरटेनर 19 सितंबर 2025 को पूरे भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

आत्महत्या के नियत से कुएं में कूदी महिला की बची जान

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। करीब 12.20 डायल 112 पर सूचना मिली कि थाना औराई क्षेत्र अंतर्गत औरंगाबाद में एक महिला पारिवारिक विवाद को लेकर आवेशमें आकर कुएं में कूद गई है। जिस पर तत्परता दिखाते हुए डायल-112 द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से महिला को कुएं से सुरक्षित निकाला गया। जिसे ईलाज हेतु सीएचसी औराई ले जाया गया, जहां पर महिला की स्थिति सामान्य है।पुलिसकर्मियों की तत्परता से महिला की जान बच सकी। पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही पर घायल के परिजनों व स्थानीय जनता ने भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए आभार प्रकट किया।

मण्डलायुक्त ने किया कम्पोजिट विद्यालय का निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। मण्डलायुक्त ने कम्पोजिट विद्यालय चिल्ला सहबाजी के निरीक्षण के दौरान निपुण तालिका का अवलोकन किया एवं कार्यरत समस्त अध्यापकों को निर्देशित किया कि सितम्बर माह में पाठ्यक्रम के अनुसार प्रत्येक विद्यार्थी के दक्षताओं के अनुसार प्रतिदिन नियमानुसार निपुण तालिका का अवलोकन किया जाय। उन्होंने रसोई घर के निरीक्षण के दौरान मध्यान्ह भोजन में दाल, चावल बना था, जो मीनू के अनुसार सही पाया गया। कक्षा-02 की छात्रा सविता देवी से अंग्रेजी में नाम पूँछा गया। साथ ही उसी कक्षा में अध्ययनरत ऋषि नाम के विद्यार्थी से उसके नाम का अर्थ पूछा गया, तो छात्र द्वारा अपने नाम का अर्थ सही बताया गया।

अन्त्योदय कार्डधारक प्रति कार्ड 14 किग्रा गेहूँ एवं 21 किग्रा चावल (कुल 35 किग्रा) निःशुल्क प्राप्त करें खाद्यान्न

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिला पूर्ति अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि जनपद में अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अन्तर्गत माह सितम्बर, 2025 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न तथा अन्त्योदय कार्डधारकों त्रैमास जुलाई, अगस्त, सितम्बर, 2025 के सापेक्ष चीनी का वितरण 10 सितम्बर से 25 सितम्बर 2025 के मध्य कराया जाना है। जनपद के समस्त पात्र लाभार्थियों से अपील की जाती है किं अन्त्योदय कार्डधारकों को 14 किग्रा0 गेहूँ व 21 किग्रा0 चावल (कुल 35 किग्रा) प्रतिकार्ड तथा पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को उनके कार्ड से सम्बद्ध प्रत्येक यूनिट पर 02 किग्रा0 गेहूँ व 03 किग्रा0 चावल (कुल 05 किग्रा0 प्रति यूनिट), 10 सितम्बर से 25 सितम्बर 2025 तक खाद्यान्न निःशुल्क तथा अन्त्योदय कार्डधारकों को त्रैमास जुलाई, अगस्त, सितम्बर 2025 के सापेक्ष 03 किग्रा0 चीनी प्रतिकार्ड रू0-18.00 प्रतिकिग्रा की दर से रू0-54/- में उचित दर दुकान से प्राप्त कर सकते है। अन्त्योदय राशनकार्डधारकों को चीनी के सम्बन्ध में पोर्टिबिलिटी की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, लाभार्थी अपनी मूल दुकान से ही चीनी प्राप्त कर सकते हैं।

मण्डलायुक्त ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से किया संवाद

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत ने ग्राम पंचायत-चिल्ला सहबाजी में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद किया। जयदुर्गे महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा बताया गया कि उन्हें मशरूम की खेती करनी है, इसका प्रशिक्षण दिलाया जाय, जिस पर मण्डलायुक्त ने खण्ड विकास अधिकारी, चायल को निर्देशित किया कि तत्काल प्रशिक्षण प्रदान करवाया जाय। विन्द्रेश्वरी देवी ने अवगत कराया कि जल-जीवन मिशन के अन्तर्गत निर्मित पानी टंकी से पानी की सप्लाई नहीं की जा रही है, जिस पर अधिशासी अभियन्ता ने अवगत कराया कि 25 दिसंबर 2025 तक शत-प्रतिशत पानी की टंकी से सप्लाई ग्राम पंचायतों में शुरू करवा दिया जायेगा।

मो. अर्श ने अवगत कराया कि जल-जीवन मिशन के अन्तर्गत ग्राम पंचायत में पाईपलाइन खुदाई के दौरान मस्जिद से लेकर सुनीता के घर तक रोड एवं नाली खराब हो गई है, जिसे बनवाया जाना अति आवश्यक है, जिस पर मण्डलायुक्त ने अधिशासी अभियंता जल निगम को तत्काल प्रभाव से बनवाये जाने के निर्देश दिए। मोहिनी देवी ने अवगत कराया कि उन्हें पारिवारिक लाभ योजना के बारे में जानकारी नहीं है, जिस पर उन्हें पारिवारिक लाभ योजना के बारे में जानकारी दी गई। देवकली ने अवगत कराया कि गाटा संख्या-77 एवं 78 में से गाटा संख्या-77 में उनका नाम दर्ज नहीं है, जबकि गाटा संख्या-78 में उनका नाम दर्ज है। गाटा संख्या-77 में नाम दर्ज कराये जाने के साथ-साथ कब्जा दिलवाने एवं खतौनी जारी किये जाने का अनुरोध किया गया, जिस पर मण्डलायुक्त ने सम्बन्धित लेखपाल को इस सम्बन्ध में तत्काल कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिए।

परास गांव में लगाया स्मार्ट मीटर

कौशाम्बी। विद्युत उपकेंद्र कमालपुर के परास ग्रामसभा में सोमवार को बिजली विभाग के कर्मचारियों ने लोगों के घरों में स्मार्ट मीटर लगाया। इस दौरान ग्रामीणों को बताया गया कि अब उन्हें इतना ही बिल देना होगा जितनी बिजली खर्च करेंगे। कमालपुर उपकेंद्र के जेई राजपथ रजक की मौजूदगी में सोमवार को परास ग्रामसभा पहुंचे विद्युतकर्मियों ने घर-घर मीटर लगाने का काम शुरू किया। स्मार्ट मीटर लगाते समय जेई ने कहा कि अब उपभोक्ताओं को बिल में गड़बड़ी की समस्या का सामना नहीं होगा। स्मार्ट मीटर लगने के बाद उनसे उतना ही बिल लिया जाएगा, जितनी बिजली उनके द्वारा खर्च की गई है।

जैतवारडीह में डायरिया से हड़कंप स्वास्थ्य विभाग की टीम सक्रिय

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। क्षेत्र के जैतवारडीह गांव में डायरिया के मरीज मिलने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। मंगलवार को जैसे ही सूचना स्वास्थ्य विभाग तक पहुंची, डॉक्टरों की टीम तत्काल ग्राम पंचायत सचिवालय परिसर पहुंच गई और वहां डायरिया से प्रभावित मरीजों की जांच-पड़ताल कर इलाज शुरू किया। टीम ने 52 मरीजों की जांच कर आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराईं। जिन मरीजों की स्थिति गंभीर पाई गई और जिन्हें ग्लूकोज की आवश्यकता थी, उन्हें स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा घर पर ही ग्लूकोज की बोतल चढ़ाई गई। डॉक्टरों ने बताया कि प्रभावित क्षेत्र पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और हर जरूरतमंद को दवा और इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। सोराम चिकित्सा अधीक्षक अनुपम द्विवेदी एवं उनके टीम में शामिल डॉक्टरों ने ग्रामीणों को सलाह दी कि गंदा या दूषित पानी पीने से डायरिया फैलने की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने ग्रामीणों को उबालकर पानी पीने, खुले में भोजन न करने और घर-परिसर की स्वच्छता बनाए रखने की सख्त सलाह दी। साथ ही ग्रामीणों से अपील की कि किसी भी व्यक्ति में डायरिया के लक्षण दिखें तो तुरंत स्वास्थ्य विभाग को सूचना दें। गांव के लोगों का कहना है कि बीते कुछ दिनों से क्षेत्र में लगातार बारिश के कारण जलभराव और गंदगी की समस्या बनी हुई है। इसी कारण दूषित पानी का सेवन करने से डायरिया की समस्या तेजी से फैल रही है। स्वास्थ्य विभाग ने आश्वासन दिया है कि प्रभावित गांव में दवाओं की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी और नियमित तौर पर स्वास्थ्य टीम गांव पहुंचकर जांच और इलाज करती रहेगी।

तीन दिवसीय राजयोग शिविर का समापन

अपने सत्य आत्मा स्वरूप को जान परमात्मा पिता से अपने संबंध को अनुभव करना ही सच्चा योग है- प्रोफेसर ईवी गिरीश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। योग माना जोड़ और योग के लिए हमें अपने आप के सत्य स्वरूप को जानना और परमात्मा को सत्य स्वरूप में जानना अति आवश्यक है। क्योंकि बिना यथार्थ पहचान के हम किसी से भी संबंध नहीं जोड़ सकते। संसार की सभी वस्तुएं समय चक्र में स्थित है और समय के साथ बदल जाती हैं परंतु आत्मा और परमात्मा शाश्वत है। इसी तरह हमारा संबंध भी शाश्वत है, परमात्मा सुख शांति प्रेम के सागर हैं और आत्मा भी उसी का स्वरूप है। इसलिए हमें परमात्मा के साथ संबंध जोड़ना अति आवश्यक है और परमात्मा के साथ इसी सुखद संबंध को ही राजयोग कहा जाता है।

उपरोक्त बातें ब्रह्माकुमारीज के तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय राजयोग शिविर के अंतिम दिन सुखी जीवन का आधार- दिव्य संबंध विषय पर व्याख्यान देते हुए मुंबई से पधारे अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वक्ता प्रोफेसर ई वी गिरीश ने कही।

ज्ञात हो ब्रह्माकुमारीज द्वारा जीवन में चमत्कारिक परिवर्तन विषय पर तीन दिवसीय राजयोग शिविर सद्भावना भवन धनुआ में रखा गया था।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि के तौर पर सच्चा बाबा आश्रम के मुख्य आचार्य डॉक्टर चंद्र देव मिश्रा एवं पुर्व शिक्षा मंत्री नरेंद्र सिंह गौर उपस्थित रहे। अनिल पटेल ब्लॉक प्रमुख चाका, दुर्गा प्रसाद पाल उप सचिव उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, वैज्ञानिक डॉ राजेश, कर्नल उपेंद्र कुमार शर्मा आदि विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

समापन सत्र में मनोरमा दीदी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी को आगे के लिए ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र में आकर राजयोग सीखने का आग्रह किया तथा अतिथियों ने मुख्य वक्ता प्रोफेसर ई वी गिरीश का सम्मान किया।

पुलिस उपायुक्त गंगानगर व सहायक पुलिस आयुक्त फूलपुर द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गई तथा निस्तारण हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

एम पैक्स सदस्यता अभियान को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में एम पैक्स सदस्यता अभियान को लेकर जनपद स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ0 बी के सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ0 बी के सिंह ने कहा कि प्रयागराज जनपद को 60000 सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है लेकिन हम सबको मिलकर लक्ष्य से अधिक सदस्य बनाना है जिससे प्रयागराज पूरे प्रदेश में सबसे अधिक सदस्य बनाने वाला जिला बन सकेइस अवसर पर जिला सदस्यता प्रभारी अमर नाथ यादव, जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान, जिलाध्यक्ष महानगर संजय गुप्ता, डीसीएफ चेयरमैन अजय पांडेय, कामता प्रसाद सचिव मुख्य कार्यपालक अधिकारी इलाहाबाद डिस्ट्रिक्ट कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड, विवेक यादव सहायक आयुक्त निबंधक इलाहाबाद, सोमी सिंह उप आयुक्त उप निबंधक, शिवमोहन मौर्य अध्यक्ष इलाहाबाद डिस्ट्रिक कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड इलाहाबाद कौशांबी, संगीता पटेल, जिला मीडिया प्रभारी महानगर राजेश केसरवानी, जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष केंद्रीय उपभोक्ता भंडार विमलेश पटेल ने किया।

यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन ने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के कलेक्ट्रेट परिसरयूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन के शिक्षकों के लिए टेट की बाध्यता विषयक संशोधित अधिनियम पारित करने तथा सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दाखिल करने की मांग को लेकर प्रांतीय नेतृत्व के आवाहन पर यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन ने जिला संरक्षक हरिमोहन सिंह श्रीनेत के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया कि उच्चतम न्यायालय के द्वारा दिनांक 1 सितंबर 2025 को देश के लाखों शिक्षकों जिनकी सेवा के 20-25 वर्ष बीत चुके हैं, को भी आगामी दो वर्ष में टीईटी की परीक्षा उत्तीर्ण करने का आदेश पारित किया है। दो वर्ष में परीक्षा उत्तीर्ण न कर पाने वाले शिक्षकों को सेवा से विरत करने की बात भी कही है। ऐसी स्थिति में देश के 30 लाख से अधिक शिक्षक एवं उनके परिवार के सामने जीवन यापन का संकट दिखाई देने लगा है। जानकारी के अनुसार अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 23(1) वो 23(2) में अधिनियम लागू होने की तिथि 23 अगस्त 2010 के पूर्व के नियुक्त शिक्षकों को टेट उत्तीर्ण करने का निर्देश नहीं दिया गया है। एनसीटीई ने 23 अगस्त 2010 को शिक्षकों के लिए न्यूनतम योग्यता निर्धारित की है इसके अंतर्गत प्रशिक्षण के अतिरिक्त टीईटी को भी अनिवार्य बनाया गया किंतु इसी अधिसूचना की धारा 4 में यह प्रावधान किया गया की 23 अगस्त 2010 के पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की आवश्यकता नहीं है । आरटीई के संशोधन अधिनयम 2017 में 31 मार्च 2015 को नियुक्त या कार्यरत सभी शिक्षक जिनके पास आरटीई एक्ट की धारा 23(1) के अनुसार न्यूनतम अहर्ता नहीं है को 4 वर्ष के अंदर योग्यता प्राप्त कर लेंने हेतु निर्देशित किया गया।

जबकि आरटीई एक्ट की धारा 23(1) के अनुसार 23 अगस्त 2010 के पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की आवश्यकता नहीं है। उपरोक्त के परिप्रेक्ष्य में यह स्पष्ट है कि 23 अगस्त 2010 के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से मुक्त रखा गया है जबकि उच्चतम न्यायालय के 1 सितंबर 2025 के आदेश में समस्त शिक्षकों को टीईटी उत्तीर्ण किए जाने के आदेश दिए गए हैं तथा 2 वर्ष में टीईटी उत्तीर्ण न करने पर सेवा समाप्ति की भी बात की गई है। देश के करीब 30 लाख से अधिक शिक्षकों एवं उनके परिवार के भविष्य को ध्यान में रखते हुए आरटीई प्रभावी होने से पूर्व के नियुक्त प्रशिक्षित शिक्षकों को टीईटी से मुक्ति हेतु संशोधित अधिनयम जारी करवाकर भारत सरकार की तरफ से उच्चतम न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दाखिल करने हेतु अनुरोध किया देशभर के लाखों शिक्षक भुखमरी के कागार पर आ जायेंगे।

ज्ञापन कार्यक्रम में यूटा जिलाध्यक्ष अभय कुमार पांडेय जिला महामंत्री प्रकाश नाथ त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष पंकज यादव, उपाध्यक्ष यशी शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जितेंद्र कुमार पांडेय, जिला संगठन मंत्री नीरज सिंह, प्रवक्ता आनंद कुमार मिश्र, ब्लॉक अध्यक्ष खुनियांव कुलदीप भार्गव, जिला संयुक्त मंत्री दीप नारायण, रवि नाथ त्रिपाठी, अमित कुमार, मीडिया प्रभारी कुमार शिवम, जिला उपाध्यक्ष अजीत सिंह, महेंद्र कुमार पांडेय, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष राधे श्याम वर्मा, महामंत्री अवधेश कुमार सिंह, विशिष्ट बीटीसी संघ के अध्यक्ष वकील प्रसाद, अटेवा अध्यक्ष बृजेश द्विवेदी, पीयूष जायसवाल, विजय कुमार, अंजुलता मिश्रा, राम कृष्ण शर्मा, रवि नाथ, मुकेश कुमार, नेबुलाल, अनिल कुमार, प्रमोद कुमार पांडेय, अबुबकर अंसारी, राजेन्द्र प्रसाद, मनोज कुमार, जाफर अली, अनिल सिंह, उपेंद्र कुमार, घनश्याम यादव, आदि सैकड़ों शिक्षक मौजूद रहे।

ईद मिलादुन्नवी पर प्लास्टिक का सैलाब, भिवंडी की सड़कों पर 5 टन कचरे का अंबार

मनपा-ठेकेदार की मिलीभगत से प्रतिबंधित प्लास्टिक का खेल उजागर

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

ईद मिलादुन्नवी का उत्सव इस बार भिवंडी के लिए खुशियों के साथ-साथ कचरे का बड़ा संकट लेकर आया। सोमवार को मोहम्मद नबी के जन्मदिन पर रजा अकादमी द्वारा आयोजित विशाल जुलूस में करीब चार लाख लोगों की भारी भागीदारी रही। शहर के तमाम इलाकों के जुलूस मार्ग के अलावा कोटर गेट से लेकर मामा-भांजा मैदान तक पूरे मार्ग पर जगह-जगह पानी, शरबत और खाने-पीने के मुफ्त स्टॉल लगाए गए। लेकिन श्रद्धा और सेवा भाव से लगाए गए इन स्टॉलों ने शहर को 5 टन से अधिक प्लास्टिक कचरे का तोहफ़ा दे दिया। मंगलवार सुबह तक सड़कों पर पड़ी बोतलें, गिलास और थैलियां गंदगी का ढेर बन चुकी थीं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र सरकार ने कई साल पहले ही प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया था। इसके बावजूद, भिवंडी महानगरपालिका और उसके ठेकेदारों की लापरवाही ने यह साबित कर दिया कि नियम सिर्फ कागजों तक सीमित हैं। जानकारी के अनुसार, मनपा ने प्लास्टिक पर रोक और सफाई का जिम्मा रेयान इंटरप्राइसेस नानक कंपनी को 60-40 अनुबंध पर सौंप रखा है। परंतु नागरिकों का आरोप है कि यह कंपनी पिछले डेढ़ सालों से न तो प्रतिबंध लागू कर पाई है और न ही सफाई व्यवस्था को पटरी पर ला सकी है। उल्टा, ठेकेदार पर अवैध वसूली और प्लास्टिक विक्रेताओं को संरक्षण देने के गंभीर आरोप लग रहे हैं। प्रश्न यह उठता है कि जब मनपा को पहले से मालूम था कि जुलूस में लाखों की भीड़ उमड़ेगी और बड़े पैमाने पर मुफ्त वितरण होगा, तो फिर स्वच्छता विभाग ने कोई ठोस योजना क्यों नहीं बनाई? जुलूस से पहले प्लास्टिक विक्रेताओं पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई? क्या यह सब मनपा और ठेकेदार की मिलीभगत का नतीजा है? स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रतिबंधित प्लास्टिक की इतनी बड़ी मात्रा अचानक बाजार में कैसे उपलब्ध हो सकती है, जब तक कि उसे प्रशासन की शह न मिली हो। यह हालात साफ संकेत देते हैं कि भिवंडी शहर प्लास्टिक माफिया का गढ़ बन चुका है और मनपा की नाक के नीचे यह अवैध कारोबार खुलेआम चल रहा है। ईद मिलादुन्नवी के जुलूस के बाद की तस्वीर ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि व्यवस्था की पोल खुल चुकी है। शहर की सड़कों पर पड़ा यह कचरा न सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही का सबूत है, बल्कि यह भी बताता है कि पर्यावरण संरक्षण के सारे दावे खोखले हैं। अब देखना यह है कि जिम्मेदार कब जागेंगे और इस गंभीर मामले पर कार्रवाई कब होगी।

भिवंडी मनपा की 3 स्कूलें जर्जर, 523 छात्रों की पढ़ाई प्रभावित

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी में मनपा प्रशासन की लापरवाही एक बार फिर उजागर हुई है। शहर की तीन सरकारी स्कूल इमारतों को जर्जर घोषित कर बंद कर दिया गया, जिससे 523 बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इन छात्रों को फिलहाल धामनकर नाका स्थित सनसाइन बिल्डिंग में शिफ्ट किया गया है, जहां उन्हें पांच घंटे की जगह केवल ढाई घंटे ही पढ़ाई मिल पा रही है। अभिभावक इस स्थिति से खासे नाराज़ हैं। भिवंडी मनपा कुल 94 स्कूलों का संचालन करती है, जिनमें करीब 40 हजार बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इनमें से 46 स्कूल भवनों में से तीन इमारतें - निजामपुरा क्षेत्र की पीली स्कूल क्रमांक 23, 27, 90 और धामनकर नाका क्षेत्र की स्कूल क्रमांक 63, 97 व अजमेर नगर की स्कूल क्रमांक 67 - को खतरनाक घोषित कर बंद किया गया। इनमें आधा दर्जन प्राइमरी व प्राइमरी स्कूलें चल रही थीं। इन इमारतों को बंद करने के बाद बच्चों को अस्थायी जगह पर भेज दिया गया है, लेकिन नई व्यवस्था छात्रों की पढ़ाई की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर रही है। उपायुक्त (शिक्षा) बालकृष्ण शिरसागर ने आश्वासन दिया है कि वे खुद निरीक्षण कर सभी बच्चों को पूरे पांच घंटे की पढ़ाई दिलाने का प्रयास करेंगे। इस बीच भिवंडी पश्चिम के विधायक महेश चौघुले ने बताया कि उनके प्रयासों से तीन में से दो स्कूलों के पुनर्निर्माण के लिए लगभग 10 करोड़ रुपये का फंड मंजूर हुआ है। इसमें संगमपाडा हेमरत्न शाला क्रमांक 16, 28, 38 के लिए 4.99 करोड़ और निजामपुरा पीली स्कूल क्रमांक 7, 8, 11, 27, 29 के लिए 4.74 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इन स्कूलों को अत्याधुनिक डिजिटल सुविधाओं से लैस किया जाएगा। चौघुले ने कहा कि तीसरे स्कूल के लिए भी वे निधि लाने के प्रयास में हैं। उन्होंने साफ किया कि बच्चों के भविष्य से समझौता किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगा, क्योंकि 'आज के बच्चे ही कल के भारत का भविष्य हैं।'

काल्हेर गांव में मीटर से छेड़छाड़ कर बिजली चोरी,दो पर मामला दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी तालुका के काल्हेर गांव में एक बार फिर बिजली चोरी का बड़ा मामला उजागर हुआ है। शांतिनगर पुलिस ने दो व्यक्तियों के खिलाफ बिजली चोरी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, काल्हेर गांव दत्त मंदिर परिसर के निवासी लतीफ शेख और नरेंद्र घोल ने भाव रेसिडेंसी, प्लांट क्रमांक 108 में बिजली मीटर से छेड़छाड़ कर खपत कम दिखाने की कोशिश की। जांच में सामने आया कि दोनों ने अनधिकृत रूप से 6,308 यूनिट बिजली का उपयोग किया, जिससे टोरेंट पावर कंपनी को लगभग 1,76,101 रुपये का नुकसान हुआ। सूचना मिलने पर टोरेंट पावर कंपनी के कार्यकारी अधिकारी निखिल दीपक परब अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और निरीक्षण में चोरी का खुलासा हुआ। इसके बाद शांतिनगर पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। फिलहाल आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक घोलप कर रहे हैं।भिवंडी में यह घटना कोई पहली बार नहीं है। बिजली चोरी के मामलों में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है, जिससे बिजली आपूर्ति कंपनियों को करोड़ों का नुकसान झेलना पड़ रहा है।

900 किलो का रिसाव.... भिवंडी 'दूसरा भोपाल' बनने से बचा

भिवंडी में क्लोरीन गैस रिसाव से हड़कंप, 5 कर्मचारी गंभीर

स्टेम ट्रीटमेंट प्लांट में आधी रात हादसा, एक किलोमीटर इलाका खाली करवाया गया

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर सोमवार देर रात एक बड़े हादसे से बाल-बाल बच गया। टेमघर पाडा स्थित स्टेम ट्रीटमेंट प्लांट में क्लोरीन गैस का रिसाव होने से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में प्लांट के पांच कर्मचारी गंभीर रूप से प्रभावित हो गए, जिन्हें तत्काल शहर के लाइफलाइन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, आधी रात करीब साढ़े 12 बजे पानी शुद्धिकरण प्लांट में रखे 900 किलो की क्षमता वाले क्लोरीन गैस सिलेंडर में अचानक रिसाव शुरू हो गया। देखते ही देखते जहरीली गैस पूरे परिसर में फैलने लगी। सबसे पहले प्लांट में तैनात सुरक्षा गार्ड अखिलेश मिश्रा और अन्य कर्मचारी–केमिस्ट प्रकाश पाटिल, हेल्पर ऋषिकेश म्हात्रे, विपुल चौधरी और जयवंत चौधरी इसकी चपेट में आ गए। जैसे ही घटना की खबर फैली, महानगर पालिका का आपातकालीन विभाग सक्रिय हो गया। विभाग प्रमुख साकिब खर्बे और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और घंटों की मशक्कत के बाद रिसाव को रोका गया। इस बीच एहतियातन पूरे प्लांट को घेराबंदी कर सील कर दिया गया और आसपास के एक किलोमीटर क्षेत्र में लोगों को घर खाली करने का निर्देश दिया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए देर रात अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके और पानी पुरवठा विभाग के कार्यकारी अभियंता संदीप पटनावर ने मोर्चा संभाला। शांतिनगर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी विनायक गायकवाड़ और नगर पालिका के सुरक्षा अधिकारी खैरे ने भी टीम के साथ इलाके को सुरक्षित किया। विशेषज्ञों का कहना है कि इस प्लांट में अभी भी 20 से 25 सौ टन क्लोरीन गैस सिलेंडर मौजूद हैं। अगर रिसाव पर समय रहते काबू नहीं पाया जाता तो स्थिति भयावह हो सकती थी और भिवंडी 'दूसरा भोपाल' बन सकता था। रात भर चली कार्रवाई के बाद सुबह चार बजे तक गैस रिसाव पूरी तरह नियंत्रित हो सका और तब लोगों ने राहत की सांस ली।

बइरबी-सायरंग रेल परियोजना

मुंबई(संवाददाता)।बइरबी-सायरंग रेल परियोजना उत्तर-पूर्वी भारत की सबसे महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है, जो आजादी के 78 वर्षों के बाद पहली बार मिज़ोरम की राजधानी को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ रही है। इसकी कुल लंबाई लगभग 51.38 किलोमीटर है। यह असम के बइरबी स्टेशन से शुरू होकर मिज़ोरम के सायरंग तक पहुँचती है।

यह परियोजना 4 सेक्शन में पूरी हुई है। जिसमें बइरबी-सायरंग रेल परियोजना में बइरबी- हरतकी सेक्शन (16.72 KM), हरतकी - कावनपुई सेक्शन (9.71 KM), कावनपुई - मुअलखांग सेक्शन (12.11 KM), मुअलखांग-सायरंग सेक्शन (12.84 KM) शामिल हैं।

इस परियोजना में 4 नए स्टेशन विकसित किए गए हैं, जो हरतकी, कॉनपुई, मुअलखांग और सायरंग हैं। यह स्टेशन आधुनिक सुविधाओं से युक्त हैं और यात्रियों व माल ढुलाई दोनों के लिए तैयार किए गए हैं।

परियोजना की लागत करीब 8071 करोड़ रुपये है। इसका अधिकांश हिस्सा सुरंगों और पुलों से होकर गुजरता है। कठिन पहाड़ी भूभाग, घने जंगल और भारी वर्षा जैसी प्राकृतिक चुनौतियों के कारण इसे देश की सबसे जटिल इंजीनियरिंग परियोजनाओं में गिना जाता है।

यह परियोजना इंजीनियरिंग का अद्भुत उदाहरण है, जिसमें 48 सुरंगें (कुल

लंबाई 12,853 मीटर), 55 बड़े पुल, 87 छोटे पुल, 5 रोड ओवर ब्रिज और 6 रोड अंडर ब्रिज शामिल हैं। इनमें सबसे उल्लेखनीय संरचना पुल संख्या 196 है, जिसकी ऊँचाई 114 मीटर है, जो कुतुब मीनार से 42 मीटर ऊँचा है।

यह रेल लाइन मिज़ोरम की राजधानी आइजोल के बिल्कुल समीप तक पहुँचती है। मिज़ोरम की अंतरराष्ट्रीय सीमाएं म्यांमार और बांग्लादेश से लगती हैं, इसलिए यह रेल लाइन सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मिजोरम में बइरबी से सायरंग तक की नई रेलवे लाइन की नींव 29 नवंबर 2014 को रखी गई थी।

इस रेल लाइन से मिज़ोरम का संपर्क असम और शेष भारत से सुगम होगा। इससे ज़रूरी वस्तुओं की आपूर्ति तेज़ी से होगी, व्यापार में वृद्धि होगी और स्थानीय उत्पादों को बड़े बाज़ार मिलेंगे।

मिज़ोरम की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर तक पहुँचना आसान होगा, जिससे पर्यटन उद्योग को नई गति मिलेगी। इससे स्थानीय लोगों की आजीविका के नए और दीर्घकालिक अवसर भी पैदा होंगे।

यह परियोजना 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना को साकार करने की दिशा एक महत्वपूर्ण कदम है।

हिमाचल प्रदेश में बाढ़-भूस्खलन से हाहाकार! 4079 करोड़ का नुकसान, अब तक 370 लोगों की मौत, 41 अब भी लापता

शिमला। हिमाचल प्रदेश में 20 जून से 7 सितंबर तक भारी बारिश के कारण बादल फटने, अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं से 4,079 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। राज्य में अब तक बारिश से संबंधित घटनाओं और सड़क दुर्घटनाओं में 366 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, इन 366 लोगों में से 203 लोगों की मौत बारिश से संबंधित घटनाओं में हुई, जिनमें 42 मौतें भूस्खलन में, 17 बादल फटने और नौ अचानक बाढ़ में हुईं। 41 लोग अभी भी लापता हैं और दुर्घटनाओं में 163 लोगों की मौत हुई है।

कुल 6,025 घर और 455 दुकानें/कारखाने पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। भूस्खलन की घटनाओं में हर गुजरते दिन के साथ वृद्धि हो रही है और 20 जून को मानसून की शुरुआत के बाद से 135 बड़े भूस्खलन, 95 अचानक बाढ़ और 45 बादल फटने की घटनाओं ने राज्य के कई हिस्सों को तबाह कर दिया है।

इसके अलावा ताजा घटना में हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के निरमंड इलाके में भूस्खलन में एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसके परिवार के चार अन्य सदस्यों के मलबे में दबे होने की आशंका है। जिले की घाटू पंचायत के शरमानी गांव में सोमवार रात लगभग डेढ़ बजे भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ, जिसमें दो घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

ग्राम पंचायत प्रधान भोगा राम ने मंगलवार को बताया कि एक शव बरामद कर लिया गया है और चार लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। मृतक की पहचान शिव राम की पत्नी बरसीती देवी के रूप में हुई है, जबकि चुन्नी लाल, अंजू, जागृति और पुपेश अब भी लापता हैं। गांव में तलाश अभियान जारी है। धर्म दास, उनकी पत्नी कला देवी और शिव राम गंभीर रूप से घायल हो गए।

ग्रामीणों ने उन्हें निरमंड के अस्पताल में भर्ती कराया। प्रधान ने बताया कि प्रशासन और उप-मंडल मजिस्ट्रेट कार्यालय को इस त्रासदी की सूचना दे दी गई है और ग्रामीण रात से ही तलाश और बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। मानसून की शुरुआत यानी 20 जून से आठ सितंबर तक राज्य में वर्षाजनित घटनाओं और सड़क दुर्घटनाओं में कुल 370 लोगों की मौत हो चुकी है।

राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, इन 370 मौतों में से 205 वर्षाजनित घटनाओं के कारण हुईं, जिनमें 43 मौतें भूस्खलन से, 17 बादल फटने से और नौ अचानक आई बाढ़ से हुईं।कुल्लू में सोमवार तक भूस्खलन की 22 घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें सबसे अधिक 15 लोगों की जान गई है।

अतिक्रमण विभाग द्वारा घनसोली और कोपरखैराने प्रभागों में बेदखली की कार्रवाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। नवी मुंबई नगर निगम के अतिक्रमण विभाग द्वारा जारी नोटिस के बावजूद, संबंधितों द्वारा नोटिस का संज्ञान नहीं लिया गया, जिसके परिणामस्वरूप नवी मुंबई नगर निगम विभाग ने माननीय आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के निर्देशन और अतिरिक्त आयुक्त (2) डॉ. राहुल गेठे तथा उपायुक्त (अतिक्रमण) डॉ. कैलाश गायकवाड़ के मार्गदर्शन में, घनसोली और कोपरखैराने प्रभागों में अतिक्रमण विभाग द्वारा बेदखली की कार्रवाई की।

नवी मुंबई नगर निगम विभाग कार्यालय, घनसोली के अधिकार क्षेत्र में, मकान संख्या-166, रबाले, साल्वी नगर, घनसोली, नवी मुंबई के श्री रतन राम म्हात्रे (भवन मालिक) और श्री राजेंद्र शंकर पवार (डेवलपर) ने नवी मुंबई नगर निगम से पूर्व अनुमति लिए बिना अवैध रूप से निर्माण कार्य शुरू कर दिया। संबंधितों द्वारा किए गए अनधिकृत निर्माण को स्वयं हटाना आवश्यक था। फिर भी, उक्त स्थान पर अनधिकृत निर्माण जारी रहा।

नवी मुंबई नगर निगम द्वारा उक्त स्थान पर अनाधिकृत निर्माण पर तोड़फोड़ अभियान चलाया गया था। तद्नुसार, 5 ब्रेकर, 15 श्रमिकों और 1 गैस कटर की सहायता से उक्त अनाधिकृत निर्माण को हटाया गया।

इस तोड़फोड़ अभियान में घनसोली संभाग के सहायक आयुक्त श्री उत्तम खरात, कनिष्ठ अभियंता श्री प्रवीण विस्वे, अतिक्रमण विभाग के अधिकारी/कर्मचारी, सिडको के अधिकारी/कर्मचारी, साथ ही नवी मुंबई नगर निगम के अधिकारी/कर्मचारी और पुलिस दल तैनात थे।

इसके अतिरिक्त, नवी मुंबई नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में, कोपरखैरणे संभाग के अंतर्गत श्री शालिक हाला नाइक घर क्रमांक 1123, कुकरेजा रूबी के पीछे, सेक्टर 12डी, रामनगर, बोनकोडे, कोपरखैरणे के निर्माण को महाराष्ट्र क्षेत्रीय योजना एवं नगर नियोजन अधिनियम, 1966 की धारा 54 के अंतर्गत नोटिस जारी किया गया। उक्त निर्माण पर आंशिक तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई।

कोपरखैरणे विभाग द्वारा उक्त अनाधिकृत निर्माण पर तोड़फोड़ अभियान चलाया गया। इस तोड़फोड़ अभियान में कोपरखैरणे विभाग के सहायक आयुक्त श्री भरत यू. धांडे, कनिष्ठ अभियंता श्री चंद्रकांत धोत्रे एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारी तथा एन.एम.एम.पी. पुलिस बल उपस्थित थे। साथ ही, उक्त कार्रवाई के लिए 9 मजदूर, 03 इलेक्ट्रॉनिक हथौड़े, 01 पिकअप वैन, 02 गैस कटर का उपयोग किया गया। भविष्य में भी अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई इसी प्रकार तीव्र की जाएगी।

जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 28 नवंबर से होगा शुरू पहला मुकाबला जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका के बीच

चेन्नई **(एजेंसी)**। जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप चेन्नई और मदुरै में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें 28 नवंबर को मदुरै में खिताब विजेता जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका के बीच मैच होगा। भारत उसी दिन चिली के खिलाफ मैच के साथ अपने अभियान की शुरुआत करेगा और उसके अगले दिन पाकिस्तान के खिलाफ अहम मैच होगा।

भारत अपना आखिरी लीग मैच 2 दिसंबर को मदुरै में स्विट्जरलैंड के खिलाफ खेलेगा। टूर्नामेंट का कार्यक्रम तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कल रात यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जारी किया, जिसमें एफआईएच अध्यक्ष तैय्यब इकराम, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की और महासचिव भोलानाथ सिंह भी मौजूद थे।

पहली बार हो रहे इस विश्व कप में दुनिया भर की 24 टीमें हिस्सा लेंगी और यह तमिलनाडु के चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा। छह टीमों को चार-चार के छह समूहों में विभाजित किया गया था और भारत को ग्रुप-बी में पाकिस्तान, चिली और स्विट्जरलैंड के साथ रखा गया था। तैय्यब इकराम ने कहा कि एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप तमिलनाडु 2025 के मैच कार्यक्रम का शुभारंभ इस प्रतिष्ठित आयोजन की हमारी यात्रा में एक और रोमांचक मील का पत्थर है।

एफआईएच के इतिहास में पहली बार, जूनियर विश्व कप में 24 टीमें शामिल होंगी, जो एफआईएच सशक्तिकरण और सहभागिता रणनीति के तहत हासिल की गई एक बड़ी उपलब्धि है। यह न केवल हॉकी के वैश्विक विकास और समावेशिता को रेखांकित करता है, बल्कि उभरते हॉकी देशों को शीर्ष स्थापित टीमों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का अवसर भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर की प्रतिभाशाली युवा प्रतिभाएं वैश्विक मंच पर अपने जुनून, दृढ़ संकल्प और कौशल का प्रदर्शन करेंगी।

यहीं पर अंतरराष्ट्रीय हॉकी के भावी सितारे महानता की ओर अपना पहला कदम रखेंगे, जिससे लाखों प्रशंसकों और अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा, 'मुझे यकीन है कि तमिलनाडु, अपनी समृद्ध संस्कृति और हॉकी के प्रति प्रेम के साथ, युवाओं, कौशल और अंतरराष्ट्रीय मैत्री के इस उत्सव के लिए एक बेहतरीन पृष्ठभूमि प्रदान करेगा।'

उदयनिधि स्टालिन ने कहा, 'हम हॉकी इंडिया और अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (इघ्) के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह टूर्नामेंट इतिहास के सबसे यादगार आयोजनों में से एक बने।' टूर्नामेंट में पाकिस्तान की भागीदारी पर, दिलीप टिर्की ने कहा कि एफआईएच और भारत सरकार ने पाकिस्तानी टीम का स्वागत किया है और आप उनका नाम कार्यक्रमों में देख सकते हैं, हालाँकि पाकिस्तान हॉकी महासंघ की पुष्टि का इंतजार है। फाइनल 10 दिसंबर को चेन्नई में होगा।

टीमें - पूल ए : जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, कनाडा, आयरलैंड

पूल बी : भारत, पाकिस्तान, चिली, स्विट्जरलैंड

पूल सी : अर्जेंटीना, न्यूज़ीलैंड, जापान, चीन

पूल डी : स्पेन, बेल्जियम, मिस्र, नामीबिया

पूल ई : नीदरलैंड, मलेशिया, इंग्लैंड, ऑस्ट्रिया

पूल एफः फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, कोरिया, बांग्लादेश।

एशिया कप : रिपोर्टर के सवाल पर सूर्या ने दिया मजेदार जवाब, कहा- प्लेइंग 11 एसएमएस कर देता हूं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एशिया कप की शुरुआत से पहले दुबई में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में सभी 8 टीमों के कप्तान मौजूद रहे। इस दौरान भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए एक मजेदार अंदाज में अपनी बात रखी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में सूर्यकुमार से संजू सैमसन को लेकर टीम मैनेजमेंट की योजनाओं के बारे में सवाल पूछा गया। शुभमन गिल को टीम में शामिल किए जाने और उप कप्तान बनाए जाने के बाद से ही सैमसन के प्लेइंग 11 में जगह को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। जब सूर्यकुमार यादव से टीम

के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मैं आपको प्लेइंग 11 मैसेज कर देता हूं भाई।'

सूर्यकुमार ने मुस्कुराते हुए यह भी जोड़ा कि 'हम वास्तव में उनका बहुत अच्छे से ध्यान रख रहे हैं। चिंता मत करो, हम कल सही फैसला करेंगे।' इस जवाब से सूर्यकुमार ने न सिर्फ सवाल को टाल दिया बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि सैमसन को लेकर फैसला लेना अभी बाकी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सूर्यकुमार ने यह भी बताया कि टीम की तैयारी कैसी है। उन्होंने कहा कि टीम ने जनवरी के बाद से कोई भी टी20 सीरीज नहीं खेली है। लेकिन आईपीएल में सभी खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उन्हें फॉर्म में रहने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि 'हम चुनौती स्वीकार करते हैं और देखते हैं कि कल से चीजें कैसी होती हैं।'

आपन तलवार दे दा' - अक्षरा सिंह का सबसे सुपरहिट देवी गीत, जिसने तोड़े कई रिकॉर्ड

शारदीय नवरात्रि 2025 की शुरुआत 22 सितंबर से होने जा रही है। देशभर में इस पावन पर्व को बड़े धूमधाम से मनाने की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। जगह-जगह माता रानी के पंडाल सजाए जा रहे हैं, मूर्तियां गढ़ी जा रही हैं और भक्त अपने घरों में भी मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित करने की तैयारियों में जुट गए हैं।

नवरात्रि के दौरान देवी मां के भजन और गीतों का विशेष महत्व होता है और इसी वजह से इन दिनों यूट्यूब और सोशल मीडिया पर देवी गीतों की धूम मची रहती है।

इसी कड़ी में भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री और सिंगर अक्षरा सिंह का एक पुराना देवी गीत फिर से चर्चा में है। यह गाना है - 'आपन तलवार दे दा', जिसे अक्षरा सिंह ने न केवल गाया है बल्कि उसमें परफॉर्म भी किया है।

इस गीत में अक्षरा सिंह मां अम्बे से प्रार्थना करती हैं कि वे उन्हें अपनी तलवार दें ताकि कोई भी बेटी देश में दोबारा निर्भया न बने। वे कहती हैं कि मां के आशीर्वाद से वे राक्षसों का नाश करेंगी और समाज में फैली बुराइयों का अंत करेंगी। वीडियो में कुछ भावुक दृश्य भी दिखाए गए हैं- जहां बच्चियों और गर्भवती महिला को प्रताड़ित होते दिखाया गया है।

यह देवी गीत 15 नवंबर 2018 को Wave Music Bhakti नाम के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया था। इसे एल्बम 'अम्बे महारानी की जय हो' में शामिल किया गया था। गाना अपलोड होने के बाद से लगातार लोकप्रियता हासिल कर रहा है।

अब तक इस वीडियो को 6 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है और नवरात्रि से पहले इसके व्यूज तेजी से बढ़ रहे हैं।

शारदीय नवरात्रि 2025 की शुरुआत 22 सितंबर (सोमवार) से होगी और इसका समापन 1 अक्टूबर (बुधवार) को दशहरे के दिन होगा।

30.4 लाख रुपए तक सस्ती हुई जगुआर लैंड रोवर की कारें

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) ने मंगलवार को कहा कि वह जीएसटी दर में कटौती का लाभ ग्राहकों को पहुंचाएगा। कंपनी तत्काल प्रभाव से अपने वाहनों की कीमतों में 4.5 लाख रुपए से 30.4 लाख रुपए तक की कटौती करेगी। कंपनी ने बयान में कहा कि ग्राहकों को रेंज रोवर, डिफेंडर और डिस्कवरी ब्रांड के वाहनों में 4.5 लाख रुपए से 30.4 लाख रुपए तक का लाभ मिलेगा।

जेएलआर इंडिया के प्रबंध निदेशक राजन अम्बा ने कहा, "लक्जरी वाहनों पर जीएसटी को युक्तिसंगत बनाना ग्राहकों और उद्योग दोनों के लिए एक स्वागतयोग्य कदम है। यह कदम भारत के लक्जरी बाजार में हमारे विश्वास और प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, बहुप्रतीक्षित प्रोत्साहन प्रदान करेगा।" एक अलग बयान में, वोल्वो कार इंडिया ने कहा कि वह 22 सितंबर से अपने पेट्रोल, डीजल वाहनों की कीमतों में 6.9 लाख रुपए तक की कटौती करेगी। जेएलआर इंडिया ने ब्रिटिश डिजाइन, अडवांस तकनीक और परफॉर्मेंस को मिलाकर देश में अपनी ब्रांड उपस्थिति को लगातार मजबूत किया है। रेंज रोवर उसके लक्जरी एसयूवी लाइन-अप का प्रमुख बना हुआ है, अिही अपनी पावरफुल परफॉर्मेंस के साथ बायर्स को अट्रैक्ट करता है, जबकि अेम्दनेब बहुमुखी प्रतिभा और प्रीमियम कंफर्ट का बैलेंस ऑफर करता है।

अगस्त में वाहनों की खुदरा बिक्री 2.84 प्रतिशत बढ़कर 19, 64, 547 इकाई रही : फाडा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री अगस्त में मामूली रूप से 2.84 प्रतिशत बढ़कर 19, 64, 547 इकाई रही। पिछले साल इसी महीने में यह आंकड़ा 19, 10, 312 इकाई था। वाहन उद्योग के निकाय फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने सोमवार को यह जानकारी दी। ग्राहकों ने कीमतों में कमी की उम्मीद करते हुए जीएसटी सुधारों से पहले खरीदारी रोक दी थी। फाडा ने एक बयान में कहा कि पिछले महीने यात्री वाहनों की बिक्री मामूली रूप से बढ़कर 3, 23, 256 इकाई हो गई, जबकि अगस्त 2024 में यह 3, 20, 291 इकाई थी। इसमें सालाना आधार पर 0.93 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई। इस साल अगस्त में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 2.18 प्रतिशत बढ़कर 13, 73, 675 इकाई रही।

फाडा ने कहा कि दोपहिया वाहन खंड में पूछताछ मजबूत रही, जिसकी वजह ओणम और गणेश चतुर्थी जैसे त्योहारों की शुरुआत थी। हालांकि, उत्तर भारत में अत्यधिक बारिश और स्थानीय बाढ़ ने ग्रामीण क्षेत्रों में मांग को बाधित किया। वाहन निकाय ने कहा कि ऐतिहासिक 'जीएसटी 2.0' घोषणा के कारण भी खरीदारों ने कम दरों की उम्मीद में खरीदारी सितंबर तक टाल दी। बयान में कहा गया कि बाजार की समग्र धारणा स्थिर है और डीलरों को विश्वास है कि आगामी त्योहारी सत्र में मजबूत वृद्धि की गति मिलेगी। फाडा ने कहा कि वाणिज्यिक वाहन खंड में इस साल अगस्त में बिक्री 8.55 प्रतिशत बढ़कर 75, 592 इकाई रही। तिपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 1, 03, 105 इकाई रही, जो सालाना आधार पर 2.26 प्रतिशत कम है।

सब्जियों के दाम हुए दोगुने, बाढ़ बनी वजह व्यापारियों ने कहा- राहत की उम्मीद नहीं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। उत्तर भारत के कई राज्यों में आई भीषण बाढ़ का असर अब दिल्ली-एनसीआर की रसोई पर साफ दिख रहा है। बाढ़ से फसलें बर्बाद होने के कारण राजधानी की मंडियों और खुदरा बाजारों में सब्जियों के दाम दोगुने हो गए हैं। पंजाब और हिमाचल प्रदेश से होने वाली आपूर्ति पर बाढ़ का सीधा असर पड़ा है, जबकि यमुना किनारे की सब्जियां भी पूरी तरह नष्ट हो गईं। इससे बाजार में भारी कमी देखी जा रही है। व्यापारियों का कहना है कि मौजूदा हालात को देखते हुए अगले एक महीने तक दामों में किसी तरह की राहत की उम्मीद नहीं है। सप्लाई कम होने और होलसेल रेट बढ़ने की वजह से आम जनता को महंगी सब्जियों का बोझ झेलना पड़ेगा।

बाढ़ के कारण फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे स्थानीय सब्जी मंडियों में आवक कम हो गई है, जिसके परिणामस्वरूप सब्जियों के दाम दोगुने हो गए हैं। व्यापारियों का कहना है कि बाढ़ ने खेतों को तबाह कर दिया है, जिससे मिट्टी के पोषक तत्व और फसलें नष्ट हो गई हैं, और इस स्थिति में कोई राहत मिलने की उम्मीद कम है।

मोर्केल ने एशिया कप से पहले कुलदीप की जमकर तारीफ की

कहा- वह एक बहुत ही पेशेवर एथलीट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने एशिया कप 2025 के शुरुआती मैच से पहले कुलदीप यादव की प्रशंसा की। कुलदीप ने पिछले साल टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से सबसे छोटे प्रारूप टी20 में मेन इन ब्लू के लिए नहीं खेला। उन्हें आगामी महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए टीम की 15 सदस्यीय टीम में चुना गया है। बाएं हाथ के स्पिनर को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भी टीम में चुना गया था। लेकिन किसी भी मैच में उन्हें प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया गया। कुलदीप उम्मीद करेंगे कि एशिया कप में ऐसा न हो खासकर इसलिए क्योंकि टूर्नामेंट यूएई में हो रहा है और वहां की परिस्थितियां तेज गेंदबाजों की तुलना में स्पिनरों के लिए ज्यादा अनुकूल हैं।

मोर्केल ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह एक बेहद पेशेवर खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड में खेलने के बाद से उनका रवैया ऐसा ही है। जहां उन्हें बहुत कम खेलने का मौका मिला और अब भी वह वही खिलाड़ी हैं जो ओवर डालते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'और मेरे लिए कुलदीप जैसा कि मैंने कहा उसने अपने करियर में बहुत सारे ओवर फेंके हैं। वह जानता है कि टी20 और सीमित ओवरों के क्रिकेट के लिए खुद को तैयार करने के लिए उसे क्या करना है और जैसा कि मैंने कहा हम केवल वही नियंत्रित कर सकते हैं जो हम अभी नियंत्रित कर सकते हैं और वह है जब हम अभी प्रशिक्षण करते हैं और जब हमारे सत्र होते हैं तो यह केंद्रित होता है इसके पीछे एक उद्देश्य होता है और हमारे पास लक्ष्य होते हैं।'

कुलदीप हाल ही में दलीप ट्रॉफी में सेंट्रल जोन के लिए खेलते हुए नजर आए। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ प्लेऑफ में हिस्सा लिया था। लेकिन दोनों पारियों में प्रभावित करने में नाकाम रहे। 30 वर्षीय इस गेंदबाज ने मैच के दौरान 32 ओवर फेंके और कोई विकेट नहीं ले पाए।

नई जीएसटी दरों का लाभ आगे पहुंचाने के लिए सक्रिय पहुंच, व्यापार सहयोग की जरूरत : सीबीआईसी प्रमुख

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के प्रमुख संजय कुमार अग्रवाल ने व्यापार और उद्योग से जीएसटी सुधारों का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए कर अधिकारियों की सक्रिय पहुंच की जरूरत पर जोर दिया है। नई जीएसटी दरों के तहत करीब 375 वस्तुओं पर कर घटाया गया है और ये दरें 22 सितंबर से प्रभावी होंगी। उन्होंने कहा कि अधिक जागरूकता न केवल भ्रम को कम करेगी, बल्कि व्यवसायों, विशेष रूप से छोटे व्यापारियों और एमएसएमई को बिना किसी बाधा के सुधारों से पूरा लाभ उठाने में सक्षम बनाएगी।

कर अधिकारियों को लिखे अपने साप्ताहिक न्यूज लेटर में अग्रवाल ने कहा कि आम आदमी की जरूरत वाली वस्तुओं पर कम कर से घरेलू खर्च घटेगा, जबकि किसानों, कारीगरों और निर्माताओं के लिए किफायती कच्चे माल से उत्पादन, रोजगार और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि ये सुधार केवल दरों में कटौती के बारे में नहीं हैं, बल्कि ये एक अधिक न्यायसंगत और नागरिक-केंद्रित कर ढांचे की दिशा में एक आदर्श बदलाव का प्रतिनिधित्व करते हैं।

अग्रवाल ने पत्र में लिखा, ''इन सुधारों के प्रभावी होने के साथ, व्यापार और उद्योग के लिए इन्हें आगे बढ़ाने में मदद करना समय की मांग है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि करदाता संशोधित कर दरों और अनुपालन सरलीकरण को स्पष्ट रूप से समझें, एक सक्रिय संपर्क और प्रभावी बातचीत महत्वपूर्ण होगी।''

मौत की अफवाहें सुन चौंकी काजल अग्रवाल, कहा- 'जिंदा हूं और बिल्कुल ठीक, फेक न्यूज न फैलाएं'

अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने एक जानलेवा सड़क दुर्घटना में शामिल होने की अफवाहों का सार्वजनिक रूप से खंडन किया है। इंस्टाग्राम पर उन्होंने अपने फॉलोअर्स को आश्वस्त किया कि ये दावे बिल्कुल झूठे हैं और इस स्थिति पर अपनी खुशी भी जताई। यह स्पष्टीकरण उनके सड़क दुर्घटना में शामिल होने की खबरें आने के कुछ घंटों बाद आया।

काजल ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर लिखा, 'मुझे कुछ बेबुनियाद खबरें मिली हैं जिनमें दावा किया गया है कि मेरा एक्सीडेंट हुआ था और अब मैं इस दुनिया में नहीं हूँ। और सच कहूँ तो यह काफी मज़ेदार है क्योंकि यह झूठ है। ईश्वर की कृपा से, मैं आप सभी को आश्वस्त करना चाहती हूँ कि मैं बिल्कुल ठीक हूँ, सुरक्षित हूँ और बहुत अच्छा कर रही हूँ। मैं आपसे विनम्र निवेदन करती हूँ कि ऐसी झूठी खबरों पर विश्वास न करें और न ही फैलाएँ। आइए अपना ध्यान सकारात्मकता और सच्चाई पर केंद्रित रखें।' काजल अग्रवाल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने प्रशंसकों से इन अफवाहों पर ध्यान न देने का अनुरोध किया। उनके ट्वीट में लिखा था, 'मुझे कुछ बेबुनियाद खबरें मिली हैं

जिनमें दावा किया गया है कि मेरा एक्सीडेंट हुआ था (और अब मैं इस दुनिया में नहीं हूँ!) और सच कहूँ तो, यह काफी मज़ेदार है क्योंकि यह बिल्कुल झूठ है।'

अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'ईश्वर की कृपा से, मैं आप सभी को आश्वस्त करना चाहती हूँ कि मैं बिल्कुल ठीक हूँ, सुरक्षित हूँ और बहुत अच्छा कर रही हूँ। मैं आपसे विनम्र निवेदन करती हूँ कि ऐसी झूठी खबरों पर विश्वास न करें और न ही उन्हें प्रसारित करें। आइए अपनी ऊर्जा सकारात्मकता और सच्चाई पर केंद्रित करें। प्यार और कृतज्ञता के साथ, काजल।'

वर्कफ्रंट की बात करें तो, काजल अग्रवाल आखिरी बार विष्णु मांचू की फ़िल्म 'कन्नप्पा' में नज़र आई थीं। इसके अलावा, वह इसी साल सलमान खान की फ़िल्म 'सिकंदर' में भी नज़र आई थीं। अब वह कमल हासन की 'इंडियन 3' में नज़र आएंगी।

इसके अलावा, काजल के पौराणिक महाकाव्य पर आधारित नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में भी नज़र आने की चर्चा है। कहा जा रहा है कि वह फिल्म में रावण की पत्नी मंदोदरी का किरदार निभाएँगी। हालाँकि, रामायण के कलाकारों के बारे में विस्तृत जानकारी अभी निर्माताओं द्वारा जारी नहीं की गई है।

हिना खान का गुस्सा चढ़ा सातवें आसमान पर, कंटेस्टेंट को जमकर सुनाई खरी-खोटी

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस हिना खान इन दिनों 'बिग बॉस 19' को लेकर सुर्खियों में हैं. दरअसल, हिना ने शो की कंटेस्टेंट अशनूर कौर का सपोर्ट करते हुए, इस कन्टेस्टेंट को सोशल मीडिया पर खूब लताड़ लगाई. वजह बना वो बयान जिसमें उन्होंने टीवी एक्टर्स को फिल्मी सितारों से कमतर बताया था., तो चलिए जानते हैं, कि हिना खान का किस घरवाले परल गुस्सा फूटा है?

हिना खान ने सोशल मीडिया प्लेजफॉर्म एक्स पर दो पोस्ट शेयर किए, जिसमें उन्होंने फरहाना भट्ट को जमकर खरी-खोटी सुनाई. हालांकि, कुछ देर बाद ही उन्होंने अपने दोनों पोस्ट डिलीट कर दिए. इस पोस्ट में हिना जो कुछ भी लिखा उस पर उन्हें क्या फैंस का सपोर्ट मिला या आलोचना आइए जानते हैं. हिना ने लिखा, 'हम किसी भी माध्यम में अच्छे और यादगार काम करना पसंद करते हैं. सभी माध्यमों का हम इक्वल सम्मान करते हैं. टीवी पर आकर खुद को फिल्म एक्टर कहकर बड़ा बताना... ऐसा कोई अच्छा और स्थापित कलाकार कभी नहीं करेगा. अपने दूसरे पोस्ट में हिना खान ने फरहाना भट्ट पर फिर से तंज कंसते हुए लिखा, 'क्या टीवी का सबसे बड़ा रियलिटी शो किसी सिनेमाघर में टेलीकास्ट हुआ है? नहीं नाष्ठ हमारे टीवी का दिल ही

इतना बड़ा है कि कोई भी लालची आकर स्टार बन जाता है. इसके लिए ऊपर वाले का शुक्रिया. अब मुझसे ज्यादा मत बुलवाओ.'

हिना खान के इन पोस्ट पर फैंस ने जमकर रिएक्ट किया. एक यूजर ने लिखा, 'हिना बिल्कुल सही बोल रही हैं.' वहीं दूसरे ने कमेंट किया, 'हिना अभिषेक की पुरानी दोस्त है, इसलिए ये सब साफ समझ आ रहा है.'

शो की बात करें, तो घर के अंदर तान्या मित्तल, नतालिया और फरहाना भट इस समय सबसे ज्यादा हेट पा रही कंटेस्टेंट मानी जा रही हैं. वहीं इस हफ्ते नॉमिनेशन लिस्ट में नतालिया और नीलम का नाम भी शामिल है. अब देखना दिलचस्प होगा कि वीकेंड का वार में किसे घर से बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा.

इस्राइली अधिकारी का दावा- इस्राइल में जल्द शुरू होगा यूपीआई से लेनदेन, 2026 तक लागू हो सकती है नई प्रणाली

नई दिल्ली।भारत के साथ द्विपक्षीय निवेश समझौते पर हस्ताक्षर के बाद इस्राइल अब आर्थिक संबंधों को और मजबूत करना चाहता है। इसी दिशा में इस्राइल अब भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) आधारित लेन-देन को संभव बनाने के लिए एक साझा प्रणाली पर काम कर रहा है। इस्राइल के वित्त मंत्रालय के महालेखाकार याली रोथेनबर्ग ने यह जानकारी दी। एक इंटरव्यू में रोथेनबर्ग ने कहा कि भारत और इस्राइल के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की बातचीत भी 'बहुत ही कम समय में पूरी हो सकती है'। हालांकि, उन्होंने कोई निश्चित समय सीमा नहीं बताई। रोथेनबर्ग इस्राइल के वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच के नेतृत्व में भारत आए उच्च स्तारीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य हैं। इस यात्रा का एक अहम परिणाम रहा कि भारत और इस्राइल के बीच द्विपक्षीय निवेश समझौता हुआ। इस समझौते पर नई दिल्ली में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और उनके इस्राइली समकक्ष स्मोट्रिच ने हस्ताक्षर किए। इस समझौते से दोनों देशों के निवेशकों को एक-दूसरे के देशों में निवेश करने में सहूलियत मिलेगी। रोथेनबर्ग ने कहा, यह अंत नहीं, बल्कि शुरुआत है। हम भारत के साथ अन्य समझौतों को भी आगे बढ़ाने की उम्मीद

कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इस्राइल भारत के साथ एक वित्तीय प्रोटोकॉल को बढ़ावा देना चाहता है, जिससे भारत में आधारभूत ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं के लिए बेहतर वित्तीय मदद मिल सकेगी। इस्राइल ने इस तरह के प्रोटोकॉल पहले भी कई बड़े देशों के साथ किए हैं, जिनमें सबसे बड़ा प्रोटोकॉल चीन के साथ है। अत्तूबर 2023 से इस्राइल और हमास के बीच जारी संघर्ष के बावजूद रोथेनबर्ग का मानना है कि पश्चिम एशिया में हालात पहले से बेहतर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस्राइल में अब पहले जैसा भू-राजनीतिक जोखिम नहीं है और युद्ध का असर देश की अर्थव्यवस्था पर सीमित रहा है। उन्होंने इस्राइल को संघर्षों के बीच मजबूती से खड़ा रहने वाला देश बताया और कहा कि वह चाहते हैं कि भारतीय कंपनियां इस्राइल की सार्वजनिक निविदाओं (टेंडर) में भाग लें, अगर उनके पास जरूरी अनुभव हो। रोथेनबर्ग ने कहा कि आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए भारत और इस्राइल जल्द एक ऐसा समझौता कर सकते हैं, जिससे भारतीय लोग इस्राइल में यूपीआई के जरिए स्थानीय मुद्रा (रुपये) में भुगतान कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया का नेतृत्व इस्राइल का केंद्रीय बैंक (बैंक ऑफ इस्राइल) कर रहा है और इस समझौते के लिए प्रस्ताव कुछ महीनों में तैयार हो सकता है। इस व्यवस्था से भारत और इस्राइल में भुगतान प्रणालियां सीधें आपस में जुड़ जाएंगी। बैंक ऑफ इस्राइल देश की भुगतान व्यवस्था की देखरेख करता है और मासव नाम की प्रणाली चलाता है। रोथेनबर्ग ने कहा, हमें बताया गया है कि 2026 की पहली तिमाही के अंत तक इस्राइल में स्थानीय मुद्रा में भुगतान करना और प्राप्त करना संभव होगा, वो भी यूपीआई प्रणाली के जरिए। उन्होंने आगे कहा कि इस्राइल के लोग भी भारत में इस प्रणाली के जरिए अपनी स्थानीय मुद्रा में भुगतान कर सकेंगे।

दिल्ली के मुख्यमंत्री सचिवालय और मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी, बढ़ाई गई सुरक्षा

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री सचिवालय और राष्ट्रीय राजधानी स्थित मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज में बम की धमकी मिलने के बाद सोमवार को सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, धमकी के संबंध में एक अलग कॉल भी प्राप्त हुई, जिसके बाद एहतियात के तौर पर कई दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दिल्ली पुलिस ने कहा कि धमकी भरे ईमेल में एमएएमसी और मुख्यमंत्री सचिवालय दोनों में संभावित विस्फोट का उल्लेख था। मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के तहत तत्काल और समन्वित कार्रवाई की गई और दोनों जगहों पर बम का पता लगाने और उसे निष्क्रिय करने वाली टीमों (बीडीडीटी) को तैनात किया गया। अतिरिक्त डीसीपी (मध्य), एसीपी कमला मार्केट और एसएचओ आईपी एस्टेट सहित वरिष्ठ अधिकारी सचिवालय में तोड़फोड़-रोधी जाँच की निगरानी में मौजूद थे। एमएएमसी में, आईपी एस्टेट थाने के अतिरिक्त यातायात अधिकारी (एटीओ) द्वारा इस अभ्यास की निगरानी की जा रही थी। दोनों स्थानों पर मौजूद लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाए गए हैं। पुलिस उपायुक्त (मध्य) निधिन वलसन ने एक बयान में कहा घबराने की कोई बात नहीं है। वाल्सन ने आगे कहा कि साइबर पुलिस स्टेशन की एक टीम ईमेल की उत्पत्ति और प्रामाणिकता की जाँच कर रही है। शुरुआती जाँच में पहले भेजे गए फर्जी धमकी भरे ईमेल से समानताएँ सामने आई हैं।

उन्होंने आगे कहा कि प्रारंभिक जाँच से संकेत मिलता है कि यह संदेश किसी दूसरे राज्य के लिए भेजा गया हो सकता है। हालाँकि, हम इसे पूरी गंभीरता से ले रहे हैं और सभी मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), यातायात पुलिस और विशेष प्रकोष्ठ को भी सूचित कर दिया गया है और वे

कार्रवाई में मदद कर रहे हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि एमएएमसी और सचिवालय दोनों जगहों पर गहन जाँच चल रही है, जहाँ खोजी कुत्ते और तकनीकी टीमें परिसर की जाँच कर रही हैं। जाँच के दौरान प्रवेश और निकास द्वार सुरक्षित कर दिए गए हैं और प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है।

पीओजेके खुलेआम कर रहे आतंकवाद का समर्थन, अमजद अयूब मिर्जा ने लगाया जिहादी संगठनों से गठजोड़ का आरोप

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर (पीओजेके) के प्रधानमंत्री चौधरी अनवर उल हक खुलेआम आतंकवाद का समर्थन करने और जिहादी संगठनों से गठजोड़ करने के लिए कड़ी आलोचना का सामना कर रहे हैं। पीओजेके कार्यकर्ता और राजनीतिक विश्लेषक अमजद अयूब मिर्जा ने उन पर कट्टरपंथी विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है और चेतावनी दी है कि उनके कृत्य क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए सीधा खतरा हैं।

एक कड़े बयान में मिर्जा ने आरोप लगाया कि हक अपनी जनसभाओं में चरमपंथी संगठनों को आमंत्रित कर रहे हैं और जिहाद का खुला आह्वान कर रहे हैं। मिर्जा ने कहा, देखिए, यह कोई रहस्य नहीं है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर के प्रधानमंत्री खुद सभी जिहादी संगठनों को अपनी जनसभाओं में आमंत्रित कर रहे हैं और अल-जिहाद, अल-जिहाद के नारे लगा रहे हैं और उन्होंने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि उनकी सरकार भारतीय कश्मीर में जिहाद को बढ़ावा देने जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए हक पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा मुकदमा क्यों नहीं चलाया गया?

उन्होंने कहा कि वह खुलेआम आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हैं और उनके सार्वजनिक बयान, प्रेस बयान, मीडिया में उनके बयानों का हवाला दिया गया है, लेकिन वह अभी भी पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के प्रधानमंत्री बने हुए हैं। वह मुजफ्फराबाद और अन्य जगहों पर हो रही सभी रैलियों का समर्थन कर रहे हैं। मिर्ज़ा ने क्षेत्र में गहरी जड़ें जमाए राजनीतिक दमन पर भी प्रकाश डाला और पीओजेके को पाकिस्तान के नियंत्रण में एक उपनिवेश से ज़्यादा कुछ नहीं बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला जम्मू-कश्मीर पाकिस्तान का एक उपनिवेश है और तथाकथित विधान सभा और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर की सरकार को सौंपे गए मुख्य कार्यों में से एक है जनता के असंतोष को दबाना, सरकार के खिलाफ जनता की लामबंदी को दबाना और नागरिक अधिकारों, आर्थिक अधिकारों और राजनीतिक अधिकारों के आंदोलन को दबाना।

नेपाल में हिंसा के चलते काठमांडू एयरपोर्ट बंद, इंडिगो एयरलाइंस के दो विमानों को लखनऊ में उतारा गया

नई दिल्ली। भारत के पड़ोसी देश नेपाल में हिंसा और विरोध प्रदर्शनों के चलते काठमांडु एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। काठमांडु एयरपोर्ट बंद होने के चलते नेपाल जा रहे इंडिगो एयरलाइंस के दो विमानों को लखनऊ में उतारा गया। नेपाल के विमानन प्राधिकरण के अधिकारी ज्ञानेंद्र भुल ने बताया कि नेपाल के मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे काठमांडु एयरपोर्ट को खराब दृश्यता के चलते बंद कर दिया गया है। प्रदर्शन के चलते इलाके में आग और धुआं निकल रहा है।

कई उड़ानें अटकी

फ्लाइटराडार24 डॉट कॉम पर उपलब्ध ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, इंडिगो की दो उड़ानें - 6E1153 (दिल्ली से काठमांडू) और 6E1157 (मुंबई-काठमांडू) नेपाल की राजधानी त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रुकी हुई हैं और मंज़ूरी का इंतजार कर रही हैं। भारत से नेपाल जाने वाली कई उड़ानें प्रभावित हुईं। एअर इंडिया ने दिल्ली-काठमांडू मार्ग पर चलने वाली तीन उड़ानों (AI2231/2232, AI2219/2220 Deewj AI217/218) को रद्द कर दिया। सोमवार को नेपाल के काठमांडू में युवा पीढ़ी के नेतृत्व में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। सरकार द्वारा इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, यूट्यूब और एक्स सहित कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाने के फैसले के खिलाफ हिंसा भड़की।

कई नेताओं के घरों में लगाई आग

प्रदर्शनकारियों ने नेपाल के कुछ शीर्ष राजनीतिक नेताओं के आवासों में आग लगा दी, जिनमें प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली भी शामिल हैं। ओली ने मंगलवार को पीएम पद से इस्तीफा दे दिया और सेना उन्हें अज्ञात जगह पर ले गई है। पूर्व पीएम शेर बहादुर देउबा प्रदर्शनकारियों के हमले में घायल हुए हैं। राजधानी और अन्य शहरों में कर्फ्यू लगा दिया गया है और काठमांडू के स्कूल बंद कर दिए गए हैं। इससे पहले सोमवार को प्रदर्शनकारी संसद भवन में घुस गए थे। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने गोलीबारी की, जिसमें 20 प्रदर्शनकारी मारे गए थे।

हिमाचल पीडब्ल्यूडी मंत्री ने दिखाई आपदा प्रभावित क्षेत्रों के लिए 35 वाहनों को हरी झंडी

शिमला **(एजेंसी)**। हिमाचल प्रदेश के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने राज्य के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में उपयोग के लिए 35 वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज का राज्य दौरा राहत और बहाली कार्यों में पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा। शिमला में ध्वजारोहण समारोह के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, सिंह ने कहा कि लगभग ?3.5 करोड़ की लागत से खरीदे गए ये वाहन मानसून से हुए व्यापक नुकसान के बाद सड़क बहाली और बचाव कार्यों में लगे पीडब्ल्यूडी अधिकारियों और क्षेत्रीय कर्मचारियों की सहायता करेंगे।

मंत्री ने कहा कि आज (9 सितंबर) मुझे खुशी है कि ये वाहन ऐसे समय

में जारी किए जा रहे हैं जब राज्य भर में बचाव और बहाली का काम चल रहा है। लेकिन मुझे इस बात का भी गहरा दुख है कि इन अभियानों के दौरान, हमारे दो पीडब्ल्यूडी ऑपरेटरों ने अपनी ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवा दी। हम उनके परिवारों के साथ हैं और उन्हें पूरा सहयोग देंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारा प्रस्ताव 70 वाहन खरीदने का है, लेकिन पहले चरण में हमने 35 वाहन खरीदे हैं। इन्हें उन उप-विभागों में भेजा जाएगा जहाँ विभागीय वाहन उपलब्ध नहीं थे ताकि हमारे कनिष्ठ अभियंता और उप-अधिकारी अपना काम अधिक प्रभावी ढंग से कर सकें।

मंत्री ने कहा कि सड़क निकासी की निगरानी के लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ तीन घंटे की ऑनलाइन समीक्षा बैठक हुई। सिंह ने कहा कि कल (8 सितंबर) के आंकड़ों से पता चलता है कि 1, 220 सड़कें अभी भी अवरुद्ध हैं। हमने विभाग को इन्हें प्राथमिकता के आधार पर साफ करने का निर्देश दिया है। झालोरी जोत-औट-लुहरी राष्ट्रीय राजमार्ग और चंबा-भरमौर राष्ट्रीय राजमार्ग सहित विभिन्न जिलों में खुदाई करने वाली मशीनें, जेसीबी और अन्य मशीनें तैनात की गई हैं।

ईडी का बड़ा एक्शन : 273 करोड़ के बैंक घोटाले में दिल्ली-एमपी में 10 ठिकानों पर छापे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कथित 273 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में दिल्ली और मध्य प्रदेश में दस स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एजेंसी ने दिल्ली में नौ और मध्य प्रदेश के भोपाल में एक स्थान पर तलाशी ली। तलाशी अभियान में शामिल परिसर कंपनी से निकटता से जुड़ी संस्थाओं और व्यक्तियों के हैं। ईडी ने केंद्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी के आधार पर एक प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की, जो बैंक द्वारा की गई शिकायत के आधार पर दर्ज की गई थी।

अधिकारियों ने कहा कि कंपनी और उसके प्रवर्तकों व निदेशकों ने आईएफसीआई (भारतीय औद्योगिक वित्त निगम) द्वारा दिए गए लगभग 273 करोड़ रुपये के ऋण और धन का गबन किया।' ईडी द्वारा की गई एक जाँच का हवाला देते हुए, अधिकारियों ने कहा कि ऋण राशि का एक बड़ा हिस्सा ईएचडीएल की विभिन्न संबंधित संस्थाओं में स्थानांतरित कर दिया गया, जो किसी भी वास्तविक व्यवसाय में शामिल नहीं थीं। एक अन्य मामले में, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा 2014 में दर्ज की गई एक शिकायत और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) के दस्तावेज़ दाखिल किए।

कहां गई शिप्रा नदी में बही लेडी कॉन्स्टेबल, 130 जवान कर रहे तलाश, टीआई और एसआई का मिल चुका है शव

भोपाल **(एजेंसी)**। उज्जैन की शिप्रा नदी में बही कॉन्स्टेबल आरती पाल और उनकी कार का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। बीते 60 घंटे से एनडीआरएफ, एसडीईआरएफ, होमगार्ड, पुलिस और मां शिप्रा तैराक दल के 130 सदस्य लगातार उनकी तलाश कर रहे हैं। सोमवार सुबह 8 बजे शुरू हुआ सर्चिंग ऑपरेशन अंधेरा होने पर शाम 7 बजे रोकना पड़ा। मंगलवार सुबह फिर से रेस्क्यू टीम ने अभियान शुरू किया और इसमें सोनार डिटेक्शन उपकरण की भी मदद ली जा रही है। गौरतलब है कि उन्हेल थाने में पदस्थ कॉन्स्टेबल आरती पाल शनिवार रात टीआई अशोक शर्मा और एसआई मदनलाल निनामा के साथ एक नाबालिग के अपहरण केस की जांच के लिए चिंतामन थाना क्षेत्र जा रही थीं। इसी दौरान कार शिप्रा नदी में बह गई।

मध्य प्रदेश के उज्जैन में शिप्रा नदी में गिरी कार से एŀ मदनलाल निनामा का शव बरामद कर लिया गया है। सोमवार को दिनभर चले रेस्क्यू ऑपरेशन में एनडीआरएफ, एसडीईआरएफ, होमगार्ड और स्थानीय गोताखोरों की टीम को यह सफलता मिली। आपको बता दें कि है कि इससे पहले रविवार को इस हादसे में लापता हुए ऊŀ अशोक शर्मा का शव भी मिल चुका है। लगातार दो दिनों से चल रहे सर्च अभियान के बाद यह दूसरी बड़ी सफलता मानी जा रही है।

हादसे में डूबी कार का बंपर घटना स्थल से करीब 3 किलोमीटर दूर भृतहरि गुफा के सामने घाट के पास मिला। इससे संभावना जताई जा रही है कि कार भी आसपास ही हो सकती है।

27 विमान, 7 जहाज को जरिए ताइवान पर अपनी कार्रवाई तेज करने लगा है चीन

बीजिंग **(एजेंसी)**। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने बताया कि उसने अपने क्षेत्र के आसपास 27 पीएलए विमानों और 7 पीएलएएन जहाजों की मौजूदगी दर्ज की है। एक्स पर एक पोस्ट में विवरण साझा करते हुए, एमएनडी ने कहा कि उसने 2 आधिकारिक जहाजों की उपस्थिति भी दर्ज की। इनका पता सोमवार सुबह 6 बजे (यूटीसीः8) तक लगाया गया। एमएनडी ने आगे बताया कि 27 में से 14 उड़ानें मध्य रेखा को पार कर ताइवान के उत्तरी, मध्य और दक्षिण-पश्चिमी एडीआईजेड में प्रवेश कर गईं।

ताइवान के आसपास संचालित 27 पीएलए विमान, 7 पीएलएएन जहाज और 2 आधिकारिक जहाजों का आज सुबह 6 बजे (यूटीसीः8) तक पता चला। 27 में से 14 उड़ानें मध्य रेखा को पार कर ताइवान के उत्तरी, मध्य और दक्षिण-पश्चिमी एडीआईजेड में प्रवेश कर गईं। लगातार घुसपैठ और समुद्री अभियान ताइवान और चीन के बीच बढ़ते तनाव को दर्शाते हैं, जो लंबे समय से भू-राजनीतिक तनाव से भरा रिश्ता रहा है। ताइवान, जिसे आधिकारिक तौर पर चीन गणराज्य (आरओसी) के रूप में जाना जाता है, अपनी विशिष्ट राजनीतिक और आर्थिक प्रणालियों के साथ स्वतंत्र रूप से शासन करता है।

हालाँकि, चीन 'एक चीन' सिद्धांत के तहत ताइवान को अपना हिस्सा बताता रहा है और इस बात पर ज़ोर देता रहा है कि केवल एक ही चीन है जिसकी राजधानी बीजिंग है। इस विवाद की जड़ें 1949 में चीनी गृहयुद्ध की समाप्ति से जुड़ी हैं, जब माओत्से तुंग के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा मुख्यभूमि चीन पर कब्ज़ा करने के बाद, आरओसी सरकार ताइवान भाग गई थी। तब से, बीजिंग अपने एकीकरण के लक्ष्य पर कायम है और ताइवान पर दबाव बनाने और उसके अंतरराष्ट्रीय स्थान को कम करने के लिए सैन्य, कूटनीतिक और आर्थिक साधनों का इस्तेमाल कर रहा है।

क्वाड अब भूल जाओ : ब्रिक्स के मंच से चीन का खुला ऐलान

मिलकर करेंगे काम, ट्रंप कुछ नहीं कर पाएंगे

बीजिंग **(एजेंसी)**। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ब्रिक्स देशों से संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा पेश की गई व्यापार चुनौतियों पर एकजुट प्रतिक्रिया का आह्वान किया तथा एक खुली वैश्विक अर्थव्यवस्था बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा द्वारा आयोजित ब्रिक्स समूह के एक आभासी शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए, जिनपिंग ने कहा कि वाशिंगटन के टैरिफ युद्धों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से बाधित किया है और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नियमों को कमजोर किया है। आधिपत्यवाद, एकतरफावाद और संरक्षणवाद दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ देशों द्वारा छेड़े गए व्यापार युद्ध और टैरिफ युद्ध विश्व अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर रहे हैं और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नियमों को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया एक नाजुक मोड़ पर है।

चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि ग्लोबल साउथ की अग्रणी शक्ति के रूप में ब्रिक्स देशों को बहुपक्षवाद की संयुक्त रूप से रक्षा करने और बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को बनाए रखने के लिए खुलेपन, समावेशिता और जीत-जीत सहयोग की ब्रिक्स भावना को बनाए रखना चाहिए। जिनपिंग ने यह भी कहा कि समूह को एकजुट होना चाहिए और व्यापार, वित्त, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अधिक सहयोगात्मक परिणाम प्राप्त करने के लिए अपनी शक्तियों का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग जितना घनिष्ठ होगा, बाहरी जोखिमों और चुनौतियों से निपटने में विश्वास उतना ही मजबूत होगा, अधिक समाधान उपलब्ध होंगे और बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ब्रिक्स बदलती अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों की कसौटी पर खरा उतरेगा। इसी बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम लिए बिना जयशंकर ने कहा कि दुनिया की मौजूदा स्थिति वास्तविक चिंता का कारण बन गई है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)